R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 18
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 26 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

3 मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक 5 मिशन शक्ति 5 से 'एक दिन की बीएसए बनी आराध्या 7 क्या करण जौहर और फराह खान ने सलमान ...

देश आज बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न राज्यों की बिजली परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि देश आज बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और इस रफ्तार में इस राष्ट्र के सभी हिस्से शामिल हैं। मोदी ने कहा कि आदिवासी समाज को स्वाभिमान से जीवन जीने का अवसर मिले, यह उनकी सरकार की प्रतिबद्धता है। वह बांसवाड़ा के नापला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, "राजस्थान की धरती से आज बिजली क्षेत्र में भारत के सामर्थ्य का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। आज राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र में 90 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बिजली परियोजनाएं शुरू हुई हैं। नब्बे हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाएं एक साथ शुरू होना दिखाता है कि देश आज बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और इस रफ्तार में देश के सभी हिस्से शामिल हैं। हर राज्य को प्राथमिकता दी जा रही है।"

मोदी ने कहा, "सौर ऊर्जा से लेकर परमाणु ऊर्जा तक देश अपनी बिजली उत्पादन क्षमता को नयी ऊंचाई तक लेकर जा रहा है। आज तकनीक एवं उद्योगों के जमाने में विकास की गाड़ी बिजली से ही दौड़ती है। बिजली है, तो उजाला है। बिजली है, तो गति है। बिजली है, तो प्रगति है। बिजली है तो दूरियां मिटी हैं। और बिजली है तो दुनिया हमारे पास है।" प्रधानमंत्री ने कहा, "लेकिन देश में कांग्रेस की सरकार ने बिजली के महत्त्व पर ध्यान ही नहीं दिया। जब 2014 में आपने मुझे सेवा का अवसर दिया और मैंने दायित्व संभाला तो देश के ढाई करोड़ घर ऐसे थे जहां बिजली कनेक्शन नहीं था। आजादी के सत्तर साल बाद भी देश के 18000 गांवों में बिजली खंभा ही नहीं लगा था। बड़े बड़े शहरों में घंटों-घंटों की बिजली कटौती होती थी। गांवों में चार-पांच घंटे बिजली आ जाये तो बड़ी बात होती थी .... 2014 में हमारी सरकार ने इन हालातों को बदलने का संकल्प लिया।" उन्होंने कहा, "हमने देश के हर गांव तक बिजली पहुंचाई। हमने ढाई करोड़ घरों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया और जहां जहां बिजली के तार पहुंचे वहां बिजली भी पहुंची। वहां लोगों की जिंदगी आसान हुई।"

उन्होंने कहा, "इक्कीसवी सदी में जिस देश को तेजी से विकास करना है उसे अपने यहां बिजली उत्पादन बढ़ाना ही होगा। इसमें भी सबसे सफल वही देश होंगे जो स्वच्छ उर्जा में आगे रहेंगे। इसलिए हमारी सरकार स्वच्छ उर्जा के अभियान को एक जन आंदोलन बना कर काम कर रही है।" आदिवासी बहुल बांसवाड़ा इलाके की इस सभा में मोदी ने कहा, "आदिवासी समाज को स्वाभिमान से जीवन जीने का अवसर मिले, यह हमारी प्रतिबद्धता है।" माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में सरलीकरण को लेकर उन्होंने कहा कि आज पूरा भारत जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है तथा हर रोज इस्तेमाल की जाने वाली ज्यादातर चीजें सस्ती हो गई हैं। भाजपा की राजस्थान सरकार के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्य को लूटकर जो जख्म दिए, उसे भरने का काम भाजपा सरकार कर रही है। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ में महाघोटाला, 100 करोड़ जीएसटी चोरी का बड़ा खुलासा! हर 3 साल में ठिकाना बदल काले धंधे से नोट छाप रहा था सरकार का दुश्मन

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में एक बड़ी कर चोरी का मामला उजागर हुआ है। जीएसटी विभाग ने छापामार कार्रवाई कर एक गुटखा कारोबारी को गिरफ्तार किया है। कारोबारी पर करीब 100 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का आरोप है। हैरानी की बात यह है कि आरोपी पिछले चार साल से बिना किसी पंजीयन के गुटखा की बिक्री कर रहा था।

जीएसटी विभाग को लंबे समय से गुटखा कारोबार में गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद विभाग ने टीम गठित कर कारोबारी की गतिविधियों पर नजर रखी। जांच में सामने आया कि आरोपी बड़े पैमाने पर गुटखा की बिक्री कर रहा है, लेकिन उसका कोई वैध पंजीयन नहीं है और न ही वह टैक्स का भुगतान कर रहा था। स्टेट जीएसटी ने 100 करोड़ रुपए टैक्स चोरी करने वाले सितार गुटखा फैक्ट्री के मालिक गुरुमुख जुमनानी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। कारोबारी के ठिकानों पर छापेमारी में बड़ी मात्रा में गुटखा पैकेट, बिक्री के रिकॉर्ड, बिना बिल के लेन-देन के दस्तावेज और नगदी जब्त की गई। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि बीते 4 वर्षों में आरोपी ने करीब 100 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की है। विभाग ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट में पेश किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि टैक्स चोरी से जुड़े नेटवर्क को भी खंगाला जा रहा है। संभव है कि इस मामले में और भी व्यापारी व सप्लायर शामिल हों।

अधिकारियों का कहना है कि आरोपी गुरुमुख जुमनानी 2021 से सितार गुटखा का अवैध निर्माण कर रहा था। अप्रैल 2021 से सितंबर 2022 के बीच राजनांदगांव स्थित मनकी, खैरागढ़ स्थित ठेलकाडिह, 2023 से जून 2023 के बीच मंदिर हसौद और भनपुरी में अवैध रूप से गुटखा बना रहा था। वह पकड़े जाने के डर से तीन महीने में गुटखा बनाने की फैक्ट्री का स्थान बदल देता था। जीएसटी विभाग के अधिकारी का कहना है कि 'यह छत्तीसगढ़ में हाल के वर्षों में टैक्स चोरी का सबसे बड़ा मामला है। आरोपी ने कानून का खुलेआम उल्लंघन किया है। विभाग अब उससे टैक्स वसूली के साथ-साथ पेनल्टी भी वसूल करेगा।'

खाद मांग रहे किसानों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज; पांच लोगों को आई गंभीर चोट!

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश में महोबा जिले के कबरई क्षेत्र में खाद वितरण में की जा रही कथित धांधली के विरोध में राष्ट्रीय राजमार्ग जाम किये किसानों पर पुलिस द्वारा किये गए बर्बर लाठी चार्ज में पांच किसान जख्मी हो गये। जिले के किसान संगठनों ने घटना का विरोध किया है और खाद के लिए जिले में बड़ा आंदोलन छेड़ने की धमकी दी है। कबरई की सहकारी समिति नंबर 2 में सुबह खाद वितरण में चहेतो को वरीयता देने और टोकन वितरण में धाँधली पर भड़के किसानों की भारी भीड़ ने नारेबाजी करते हुए हँगामा किया और इसके विरोध में कानपुर- सागर राष्ट्रीय राजमार्ग में जाम लगा दिया। वे नियमानुसार सभी किसानों को खाद उपलब्ध कराये जाने की मांग कर रहे थे।

आरोप था कि सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए पुलिस कर्मी भी टोकन दिलाने के एवज में वसूली कर रहे हैं। घर की महिलाओं और बच्चों के साथ सड़क पर किसानों के धरना शुरू कर देने से राज मार्ग में आवाजाही ठप हो गयी। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में वाहन फंस कर खड़े हो गए। जिससे यात्रियों के समक्ष भारी परेशानी खड़ी हो गयी। पुलिस उप अधीक्षक एके सिंह ने बताया कि आंदोलनकारियों के साथ भीड़ में मौजूद कतिपय उपद्रवी तत्वों का बवाल करीब एक घंटे तक चलता रहा, जिससे स्थिति बिगड़ने लगी। पुलिस ने तब किसानों को समझा बुझा कर जाम खुलवाने की कोशिश की, लेकिन उनके न मानने और हालात काबू में न होते देख पुलिस को आखिरकार लाठी पटक कर उपद्रवियों को खदेड़ना पड़ा और सड़क को जाम से मुक्त कराया गया। भगदड़ में कुछ लोगों के चोटिल होने की बात कही जा रही है। लेकिन किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

डिप्टी एसपी ने यह भी बताया की मामले की जांच कराई जा रही है। पुलिस भीड़ में किसानों की आड़ लेकर बवाल कर रहे और उन्हें भड़का रहे उपद्रवी तत्वों की पहचान का प्रयास कर रही है। सभी के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। मालूम हो कि महोबा जिले में इन दिनों किसानों के बीच खाद को लेकर हा- हाकार मचा है। समितियों में रोज सुबह से किसानों की भारी भीड़ उमड़ रही है। शाम तक लाइन में लगने के बावजूद एक बोरी खाद न मिल पाने और खेती का कार्य प्रभावित होने से अन्नदाता बेहद परेशान है। खाद मांग रहे किसानों पर पुलिस लाठी चार्ज की एक सप्ताह में यह दूसरी घटना है। इसके पहले चरखारी की मंडी समिति में पुलिस ने खाद लेने पहुंची किसानों की भीड़ पर लाठी चार्ज किया था।

भूकंप के जोरदार झटकों से यहां फिर कांपी धरती, घरों से बाहर भागे लोग

वेनेजुएला (एजेंसी)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में एक बार फिर धरती हिली है। बुधवार रात को देश के उत्तर-पश्चिमी राज्य जुलिया में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। रिपोर्ट के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई है। इसका केंद्र मेने ग्रांडे कस्बे से लगभग 24 किलोमीटर दूर था जो कि माराकाइबो झील के पास स्थित है। यह इलाका वेनेजुएला के सबसे महत्वपूर्ण तेल उत्पादक क्षेत्रों में से एक है। भूकंप के झटके वेनेजुएला के साथ-साथ पड़ोसी देश कोलंबिया में भी महसूस किए गए। फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास आर एस पुरा सेक्टर से एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस महीने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा इस क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया यह दूसरा पाकिस्तानी नागरिक है।

अधिकारियों ने बताया कि सतर्क बीएसएफ कर्मियों ने सरहद पार से इस ओर घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति की गतिविधि देखी और भारतीय क्षेत्र में घुसते ही उसे पकड़ लिया।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के पास से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त टीमें उससे पूछताछ कर रही हैं। आर एस पुरा सेक्टर के ऑक्ट्रॉय क्षेत्र सेआठ सितंबर को एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को गिरफ्तार किया गया था।

पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के सरगोधा के निवासी घुसपैठिए सिराज खान को चेतावनी देने पर जवानों ने कुछ गोलियां चलाईं। उसे सीमा पर बाड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से कुछ पाकिस्तानी नोट बरामद किए गए।

केजरीवाल को कब और कौन सा सरकारी बंगला मिलेगा? केंद्र ने हाईकोर्ट को दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने गुरुवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को 10 दिनों के भीतर एक उपयुक्त सरकारी आवास आवंटित किया जाएगा। वर्चुअल रूप से उपस्थित होते हुए सॉलिसिटर जनरल मेहता ने न्यायमूर्ति सचिन दत्ता को आश्वासन दिया कि उन्हें (केजरीवाल को) आज से 10 दिनों के भीतर उपयुक्त आवास आवंटित किया जाएगा। आप मेरा बयान दर्ज कर सकते हैं। न्यायालय ने आश्वासन दर्ज किया और कहा कि मामले को लटकाया नहीं जाना चाहिए। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि आवंटनों को संभालने में मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर व्यापक रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए, न केवल राजनेताओं के लिए, बल्कि गैर-राजनेताओं के लिए भी।

न्यायाधीश ने कहा कि यह एक ऐसा मुद्दा है जिसका समाधान किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान, आप की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा ने दलील दी कि केजरीवाल टाइप 7 या टाइप 8 बंगले के हकदार हैं और सरकार उन्हें टाइप 5 में अपग्रेड नहीं कर सकती। उन्होंने भेदभावपूर्ण व्यवहार का संकेत देते हुए कहा मुझे कोई लाभ नहीं दिया जा रहा है, मैं बहुजन समाज पार्टी से नहीं हूं। हालांकि, अदालत ने सलाह दी कि इसका समाधान मुकदमेबाजी के बजाय बातचीत में है। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा अगर आप संतुष्ट नहीं हैं, तो इसे रहने दें। इसका समाधान सॉलिसिटर जनरल से बातचीत में है। उन्होंने केजरीवाल को इस मुद्दे को सुलझाने के लिए सीधे मंत्रालय से संपर्क करने की भी छूट दी।

सॉलिसिटर जनरल के इस तर्क के जवाब में कि चुनावों में ये सारी नारेबाजी उचित थी, मेहरा ने कहा यह अदालत है। इस बहस के बाद न्यायाधीश ने निष्कर्ष निकाला: मैं यह दर्ज करूँगा कि 10 दिनों के भीतर उचित व्यवस्था दी जाएगी। हम आपका बयान दर्ज करेंगे और एक आदेश पारित करेंगे। न्यायालय ने कहा कि वह इस मामले में बाद में औपचारिक आदेश पारित करेगा। पिछली तारीख पर, उच्च न्यायालय ने केजरीवाल के आवास अनुरोध पर केंद्र के व्यवहार पर नाराजगी व्यक्त की थी और कहा था कि आवंटन प्रक्रिया मनमानी या चयनात्मक नहीं होनी चाहिए।

2008 मालेगांव विस्फोट मामला में बरी, अब 17 साल बाद लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित को मिला प्रमोशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में बरी होने के कुछ दिनों बाद प्रसाद श्रीकांत पुरोहित को कर्नल के पद पर पदोन्नत किया गया है। पुरोहित की यह पदोन्नति वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद हुई है। भाजपा ने अदालत ने उन्हें और छह अन्य आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ आरोपों को उचित संदेह से परे साबित करने में असमर्थ रहा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पुरोहित को उनकी पदोन्नति पर बधाई दी है और उन्हें देशभक्त बताया है।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कर्नल पुरोहित को वर्दी में वापस आने पर बधाई। सरकार उन देशभक्तों के साथ मजबूती से खड़ी है जो साहस और ईमानदारी से देश की सेवा करते हैं। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि 17 साल से ज़्यादा समय तक 'उत्पीड़न' झेलने के बाद पुरोहित को आखिरकार न्याय मिला। उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी की भी आलोचना करते हुए कहा कि उनकी 'तुष्टिकरण' की राजनीति ने पुरोहित के उत्थान में बाधा डाली। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया 17 साल की प्रताड़ना और बिना सबूत के 8 साल जेल में रहने के बाद, लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत पुरोहित को आखिरकार कर्नल के पद पर बहाल कर दिया गया। लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस के हिंदू-विरोधी एजेंडे के कारण, एक प्रतिभाशाली अधिकारी को मेजर जनरल के पद पर उनके उचित पद से वंचित कर दिया गया। कांग्रेस के लिए, तुष्टिकरण पहले है, राष्ट्रीय गौरव बाद में।

29 सितंबर, 2008 को मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर लगे बम में विस्फोट हुआ। इस विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई और 101 अन्य घायल हो गए। शुरुआत में इस घटना के सिलसिले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अंततः केवल सात पर ही मुकदमा चलाया गया। प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और भाजपा नेता प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित सभी सात आरोपियों को इस साल 31 जुलाई को एक एनआईए अदालत ने बरी कर दिया। बरी किए गए अन्य आरोपियों में मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी, अजय राहिरकर, सुधाकर धर द्विवेदी (शंकराचार्य) और समीर कुलकर्णी शामिल हैं।

बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु चुनाव के लिए बीजेपी की चुनावी तैयारी तेज, वरिष्ठ नेताओं को सौंपी गयी कमान

पटना (एजेंसी)। बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य हैं, जहां आगामी विधानसभा चुनाव भाजपा की रणनीति और संगठनात्मक क्षमता के लिए असली परीक्षा मैदान बनने वाले हैं। भाजपा द्वारा इन तीनों राज्यों के चुनाव प्रभारियों की घोषणा ने यह संकेत दिया है कि पार्टी सिर्फ इंतजार करने वाली नहीं है; वह सक्रिय तैयारी और सटीक रणनीति के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है।

बिहार में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को प्रभारी नियुक्त करना भाजपा के लिए एक सोचा-समझा कदम है। ओडिशा के इस अनुभवी नेता ने पहले उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में चुनाव प्रभार संभाला है। उनकी रणनीतिक सूझबूझ और संगठनात्मक क्षमता महागठबंधन के सामने भाजपा की चुनौती को तीव्र बना सकती है। सह-प्रभारी के रूप में केशव प्रसाद मौर्य और सी.आर. पाटिल की तैनाती इस जिम्मेदारी को और मजबूत करती है। मौर्य का उत्तर प्रदेश अनुभव और पाटिल की गुजरात राजनीति में पकड़ बिहार में स्थानीय स्तर पर पार्टी की मजबूती बढ़ा सकती है। इस संयोजन से भाजपा का संदेश साफ है- यह सिर्फ सत्ता बचाए रखने तक सीमित नहीं, बल्कि कार्यप्रणाली पर व्यापक रूप से महागठबंधन को चुनौती देने के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में है।

पश्चिम बंगाल में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को प्रभारी और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब को सह-प्रभारी बनाना भाजपा की दूरदर्शिता को दर्शाता है। भूपेंद्र यादव का संगठनात्मक अनुभव टीएमसी की मजबूत पकड़ को चुनौती देने में निर्णायक होगा। वहीं बिप्लब देब का पूर्वोत्तर अनुभव बंगाल की स्थानीय राजनीति और मतदाताओं की मानसिकता को समझने में मदद करेगा। यह नियुक्ति बताती है कि भाजपा केवल केंद्रीय नेतृत्व पर निर्भर नहीं, बल्कि स्थानीय अनुभव और रणनीति के संयोजन से बंगाल में प्रभावी खेल खेलना चाहती है।

तमिलनाडु में भाजपा ने ओडिशा से सांसद बैजयंत पांडा को प्रभारी और महाराष्ट्र से मुरलीधर मोहोल को सह-प्रभारी नियुक्त किया है। दक्षिण भारत में पार्टी का विस्तार करना आसान नहीं, लेकिन पांडा का दक्षिण भारत में नेटवर्क और मोहोल की संगठनात्मक क्षमता भाजपा को इस चुनौती से निपटने में मदद करेगी। भाजपा तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ पहले ही गठबंधन कर चुकी है।

देखा जाये तो तीनों राज्यों के प्रभारी नेताओं की व्यक्तिगत खूबियां भाजपा की ताकत को और बढ़ाती हैं। धर्मेंद्र प्रधान की रणनीतिक सूझबूझ, भूपेंद्र यादव का संगठनात्मक अनुभव और बैजयंत पांडा का दक्षिण भारत में नेटवर्क पार्टी को चुनावी मोर्चे पर मजबूत स्थिति दिला सकते हैं। इसके अलावा सह-प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य, सीआर पाटिल, बिप्लब देब और मुरलीधर मोहोल स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक मजबूती और अभियान की गति बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

देखा जाये तो यह स्पष्ट है कि भाजपा की यह नियुक्तियां केवल प्रतीकात्मक नहीं हैं। बिहार में सत्ता बनाए रखना, बंगाल में टीएमसी को चुनौती देना और तमिलनाडु में दक्षिण भारतीय राजनीति में प्रवेश करना, यह सब रणनीतिक सोच का परिणाम है। यदि प्रभारी नेता अपनी सूझबूझ और संगठनात्मक क्षमता का सही इस्तेमाल कर पाए, तो यह भाजपा के लिए आगामी विधानसभा चुनावों में निर्णायक साबित हो सकता है।

बहरहाल, यह नियुक्तियां भाजपा की राजनीतिक रूप से पैनी नजर और संगठनात्मक तैयारी का संकेत हैं। तीनों राज्यों में जिम्मेदारी संभालने वाले नेता अपनी व्यक्तिगत राजनीतिक खूबियों और अनुभव के बल पर पार्टी को चुनावी सफलता की राह पर ले जाने में सक्षम हैं। यह सिर्फ तैयारी नहीं, बल्कि विरोधी दलों पर एक रणनीतिक हमला है, जो अगले साल के चुनावी नतीजों पर गहरा असर डाल सकता है।

कर्नाटक जाति जनगणना : जातीय सर्वेक्षण में हिस्सेदारी अनिवार्य नहीं, हाई कोर्ट ने किया साफ- जानकारी देने का नहीं डाल सकते दबाव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में जाति आधारित सर्वेक्षण के नाम से प्रसिद्ध सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने से हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया। पीठ ने स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण में भाग लेना अनिवार्य नहीं है और सरकार को निर्देश दिया कि वह एक सार्वजनिक घोषणा करे कि जानकारी प्रदान करना स्वैच्छिक है। अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि सर्वेक्षक किसी व्यक्ति से विवरण देने पर जोर नहीं दे सकते तथा एकत्र किए गए सभी आंकड़ों को गोपनीय रखा जाना चाहिए, तथा उन तक पहुंच केवल पिछड़ा वर्ग आयोग तक ही सीमित होनी चाहिए। पीठ ने आयोग को इन निर्देशों के अनुपालन की पुष्टि करते हुए एक हलफनामा प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया। अंतरिम आदेश जारी होने के बाद, सुनवाई स्थगित कर दी गई। यह आदेश उच्च न्यायालय द्वारा जाति सर्वेक्षण के तरीके को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर सुनवाई के एक दिन बाद आया है। राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं, जिन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने संविधान के अनुच्छेद 342ए(3) को चुनौती नहीं दी है और न ही पिछड़े वर्गों से संबंधित धारा 9 और 11 पर रोक लगाने की मांग की है। सिंघवी ने आगे कहा कि याचिकाकर्ताओं ने सर्वेक्षण में कोई गलती नहीं बताई है और न ही यह दावा किया है कि सरकार के पास इसे कराने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता केवल सर्वेक्षण के तरीके पर सवाल उठा रहे थे, जिसमें यह आरोप भी शामिल था कि जाति के साथ-साथ धर्म भी दर्ज किया जा रहा था और जाति सूची प्रकाशित करने से पहले कोई पूर्व विश्लेषण नहीं किया गया था।

धानमंत्री के जन्मोत्सव पखवाड़े में मुविवि में चलाया सफाई अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित जन्मोत्सव पखवाड़ा (17 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर 2025) में स्वच्छता अभियान चलाया गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, प्रभारी, कुलसचिव, आचार्य, सह-आचार्य, सहायक आचार्य, परामर्शदाता, शोध छात्र एवं कर्मचारियों ने सरस्वती परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान में सभी ने परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। तदुपरांत स्वच्छ भारत एवं विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए कुलपति ने स्वच्छता का शपथ दिलाई।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय में कार्यरत समस्त स्वच्छता कर्मयोगियों को कुलपति ने अंगवस्त्र एवं मिष्ठान देकर सम्मानित किया। गया। इस अवसर पर सभी ने विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुक्त विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में जन्मोत्सव पखवाड़े के अन्तर्गत बुधवार को स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निर्देशन में स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने फीता काटकर किया। इस आयोजन में विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सक दलों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिनमें आरोग्यम आयुर्वेद एवं पंचकर्म केंद्र, सूर्य प्रभा आयुर्वेद एवं पंचकर्म केंद्र, विनीता हॉस्पिटल, शांतिपुरम, आशा डेंटल हॉस्पिटल के डॉ अंशुल

शुक्ला दंत चिकित्सक एवं उनकी टीम द्वारा, यश फिजियोथेरेपी सेंटर से आए चिकित्सा विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के निदेशकों, प्रभारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए। शिविर में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा की प्रभारी प्रो. मीरा पाल, आयोजन सचिव अनुराग शुक्ला, योग चिकित्सा प्रभारी अमित सिंह, एक्यूप्रेशर चिकित्सा प्रभारी निकेत सिंह, आहार एवं पोषण विशेषज्ञ डॉ. जूमि सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने स्वास्थ्य परीक्षण हेतु आए चिकित्सकों एवं उनकी टीम का स्वागत किया।

विधायक गुरु प्रसाद मौर्य और सीआरपीएफ जवानों ने चलाया स्वच्छता अभियान

थरवई। स्वच्छता सेवाअभियान-2025 के अंतर्गत गुरुवार को थरवई क्षेत्र के ऐतिहासिक पांडेश्वर नाथ धाम पडिला महादेव मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने स्वयं झाड़ू उठाकर श्रमदान किया।स्वच्छता अभियान का सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र के डीआईजी धीरज कुमार के कुशल निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट महाराणा वीरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में कई दर्जन जवानों ने मंदिर प्रांगण और आसपास के क्षेत्र की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने लोगों से अपील की कि स्वच्छता को केवल एक अभियान न मानकर जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण में ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है।अभियान में ग्राम प्रधान सहित क्षेत्रीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंदिर परिसर की सफाई के बाद जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों को साफ-सफाई के लिए जागरूक किया गया।

ग्राम सचिवालय में पौधारोपण कर दिया संदेश

थरवई। सोराम विकासखंड के ग्राम पंचायत जगदीशपुर पूरे चंदा स्थित ग्राम सचिवालय में गुरुवार को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम पंचायत अधिकारी रिचा यादव ने ग्राम सचिवालय

परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए।इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं, इनके बिना स्वच्छ वातावरण की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखरेख करने का आह्वान किया। इस मौके पर नीलम पांडे बिजलेस कुमार सौरभ कुमार आदि लोग मौजूद रहे

दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों की काउंसलिंग का द्वितीय चरण संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज।समेकित शिक्षा योजना के तहत बीआरसी घूरपुर जसरा में गुरुवार को दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों की दूसरी चरण की काउंसलिंग का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया ।कार्यक्रम में 52 अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए स्पेशल एजुकेटर अरविंद कुमार मिश्रा, ममता सोनकर , संध्या द्विवेदी ने बेसिक शिक्षा विभाग से प्रदान किए जाने वाली सुविधाओं के बारे में बताया तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा प्रदान किये जा रहे सुविधाओं के बारे में बताया गया ।मॉडल पर्सन प्रभु नाथ ने दिव्यांग बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने के लिए कहा जिससे दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एआरपी नारायण मिश्र, निशा त्रिपाठी , शैलेश सिंह , आदित्य सिंह, अभिषेक सिंह का विशेष सहयोग रहा।

जैन रिसोर्स रीसाइक्लिंग ने प्रति इक्विटी शेयर? 232 रुपये के ऊपरी मूल्य बैंड पर एंकर निवेशकों से जुटाए 562 करोड़ रुपये

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। जैन रिसोर्स रीसाइक्लिंग लिमिटेड ने 40 एंकर निवेशकों को 232 रूपये प्रति इक्विटी शेयर (?230/- प्रति इक्विटी शेयर प्रीमियम सहित) के ऊपरी मूल्य बैंड पर 2 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य पर 24, 245, 689 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं और 562.49 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एंकर निवेशकों को आवंटित कुल 24, 245, 689 इक्विटी शेयरों में से, 8, 362, 176 इक्विटी शेयर (अर्थात एंकर निवेशकों को आवंटित कुल शेयरों का 34.49इ) 5 घरेलू म्यूचुअल फंडों को आवंटित किए गए, जिन्होंने कुल 14 योजनाओं के माध्यम से आवेदन किया। योजना-वार विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है। डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, पीएल कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

स्वस्थ नारी सशक्त भारत परिवार अभियान के तहत एक दिवसीय चिकित्सा शिविर संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

कानपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू राज्य होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज कानपुर के प्राचार्य डॉ. हर्षवर्धन सिंह भदौरिया के कुशल मार्गदर्शन में गुरुवार को दुर्गा प्रसाद सनातन धर्म बालिका विद्यालय, कानपुर के परिसर में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया।

यह शिविर सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान-2025 के अंतर्गत आयोजित किया गया। शिविर में एनीमिया, मधुमेह, रक्तचाप, मोटापा, थायराइड जैसी बीमारियों की जांच की गई तथा साइकिल मरीजों को दवा वितरित कीगई बीमारियों से बचाव एवं जागरूकता संबंधी जानकारी उपस्थित लोगों को प्रदान की गई।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. श्रुति सिन्हा (एसोसिएट प्रोफेसर), डॉ. एस. एस त्रिपाठी, डॉ. ए.के. अग्निहोत्री सहित बीएचएमएस चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर में सैकड़ो की संख्या में महिलाए और स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया और लाभ उठाया।

तारडीह गांव में चोरी, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के तारडीह गांव में एक सप्ताह पूर्व हुई चोरी का मामला पुलिस की उदासीनता के कारण चर्चा में है। उक्त गांव निवासी विकास दुबे के घर से लाखों रुपए के आभूषण और नगदी पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया।

पीड़ित का आरोप है कि घर में वायरिंग का काम करने आए मजदूरों ने मौका पाकर बक्से और अलमारी का ताला चाबी से खोलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। मामले की जानकारी देते हुए विकास दुबे ने थरवई थाने में गुरुवार को चोरी की लिखित तहरीर दी है, लेकिन पुलिस की ओर से अब तक चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पुलिस समय रहते सख्ती दिखाए तो क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर रोक लग सकती है।

आज भव्यता के साथ निकलेगा नयापुरा करेली का रामदल

प्रयागराज। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ श्री राम बारात कमेटी नयापुरा प्रियदर्शनी नगर करेली के द्वारा श्री राम दल कार्यक्रम अपनी पूरी भव्यता के साथ 26 सितम्बर दिन शुक्रवार को सांय 7 बजे निकाली जाएगी। वही अध्यक्ष कौशल सिंह ने बताया इस वर्ष श्री राम बारात एक ऐतिहासिक बारात होगी जिसमें महिला संगठन की अध्यक्ष सीमा कुशवाहा के साथ- साथ महिला संगठन के लगभग 500 महिलाएं दल के साथ-साथ चलेंगे और राम दल को भव्य बनाने में भागीदारी निभाएंगी। यह जानकारी कमेटी के मीडिया प्रभारी अश्वनी कुमार ने दी है।

एडब्ल्यूएल ने एसईए और सॉलिडारिडैड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। भारत की अग्रणी कृषि-व्यवसाय और एफएमसीजी कंपनियों में से एक, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (एडब्ल्यूएल) ने आज रीजेनरेटिव मस्टर्ड मिशन - सस्टेनेबल मस्टर्ड फार्म प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और सॉलिडारिडैड रीजनल एक्सपर्टाइज सेंटर (एसआरईसी) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। मुख्य प्रायोजक के रूप में, कंपनी ने मुंबई में अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान एसईए के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस अवसर पर एडब्ल्यूएल के सीईओ और एमडी, अंग्शूमलिकने कहा, 'चूंकि भारत खाद्य तेलों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है, इसलिए सरसों हमारी आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है। इस पहल के माध्यम से, एडब्ल्यूएल किसानों को सशक्त बनाने, स्थिरता बढ़ाने और आयात निर्भरता को कम करने के सरकार के मिशन में सार्थक योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। रीजेनरेटिव प्रथाओं को बढ़ावा देकर, हम न केवल किसानों की आजीविका का समर्थन कर रहे हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन भी बना रहे हैं।'

एसईए के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने कहा, 'सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया तिलहन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। मुख्य प्रायोजक के रूप में एडब्ल्यूएल के समर्थन और कार्यान्वयन भागीदार के रूप में सॉलिडारिडैड के साथ, हमें विश्वास है कि यह पहल टिकाऊ औरँ लाभदायक सरसों की खेती की दिशा में भारत की यात्रा में एक मील का पत्थर बन जाएगी।'

एसआरईसी के सीईओ और एमडी डॉ. शतद्रु चट्टोपाध्याय ने कहा, 'हमारा मॉडल फार्म दृष्टिकोण, डिजिटल कृषि-सलाह और किसान क्षमता निर्माण के साथ, यह सुनिश्चित करता है कि छोटे किसान जलवायु-स्मार्ट औरलाभदायक तरीकों को अपना सकें। एडब्ल्यूएल और एसईए के साथ साझेदारी हमें भारत भर में हजारों किसानों तक इस प्रभाव को बढ़ाने की अनुमति देती है।'

क्शन टेसा ने लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय कारपेंटर दिवस मनाया

मंत्र भारत संवाददाता

आजमगढ़। इंजीनियर्ड वुड पैनल उत्पादों के सबसे बड़े निर्माता और इस क्षेत्र में अग्रणी कंपनी एक्शन टेसा ने लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय कारपेंटर दिवस मनाया। इस अवसर पर कंपनी ने फर्नीचर उद्योग में काम करने वाले कारीगरों को सम्मानित किया ताकि इन कारीगरों को अलग पहचान मिल सके। पिछले साल हुए आयोजन की शानदार सफलता के बाद, इस साल राष्ट्रीय कारपेंटर दिवस के अवसर पर कंपनी ने देश भर में 50 से ज़्यादा स्थानों पर 'मेगा मीट' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में कारीगरों ने फर्नीचर बनाने की कला को एक दूसरे से साझा किया और राष्ट्रीय कारपेंटर दिवस का जश्न मनाया।

इस अवसर पर, एक्शन टेसा के प्रबंध निदेशक, अजय अग्रवाल ने कहा कि कारपेंटर फ़र्नीचर उद्योग की रीढ़ हैं क्योंकि उनके हाथ हर सपने को आकार देते हैं। टेसा सलाम और डब्ल्यूपीपीटी जैसी पहलों के साथ, हम न केवल आज उन्हें सम्मानित कर रहे हैं, बल्कि एक उज्जवल भविष्य की नींव भी रख रहे हैं। यह तो बस शुरुआत है और हम आने वाले वर्षों में कारपेंटर और उनके परिवारों के लिए और भी बेहतर अवसर पैदा करने के लिए तत्पर हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ फिल्म अभिनेता अजय देवगन के प्रेरणादायक शब्द थे जिसमें उन्होंने कारीगरों के कार्य को सलाम किया और उनकी अदृश्य भूमिका की सराहना की। जिससे कारीगरों का उत्साहवर्धन भी हुआ। गौरतलब है कि पिछले वर्ष की सफलता के आधार पर, एमएसएमई के सहयोग से विकसित तीन महीने के कौशल विकास कार्यक्रम, वुड पैनल प्रोसेसिंग टेक्निक्स ने सभी 30 छात्रों को 100प्रतिशत प्लेसमेंट दिलाया है। प्रत्येक छात्र को पाठ्यक्रम पूरा करने के तुरंत बाद नौकरी की पेशकश की गई, जो उच्च-गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण और कार्यक्रम की उद्योग में मज़बूत प्रासंगिकता का प्रमाण है। एक्शन टेसा द्वारा प्रायोजित यह कार्यक्रम युवा कारीगरों के उज्जवल भविष्य के लिए एक लांच पैड बन गया है।

एक्शन टेसा के लिए, डब्ल्यूपीपीटी एक कोर्स से कहीं बढ़कर है। यह कोर्स एक सार्थक पहल है जो फर्नीचर उद्योग से जुड़े कारीगरों के बच्चों को प्रशिक्षित करके कुशल बनाता है। एक्शन टेसा इस कार्यक्रम को और विस्तार देने के लिए एमएसएमई केंद्रों के साथ संवाद कर रहा है ताकि हर राज्य में इस तरह के पाठ्यक्रम शुरु किया जा सके। ताकि इससे ज्यादा से ज्यादा कुशल कारीगर तैयार हों सकें।

राष्ट्रीय कारपेंटर दिवस के साथ, एक्शन टेसा ने इस उत्सव को प्रतिबद्धता में बदल दिया है। जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हर घर और कार्यस्थल के मूक नायक फर्नीचर उद्योग के यह कारीगर यानी कारपेंटर गरिमा, गर्व और समृद्धि के साथ आगे बढ़ते रहें। अपने नवाचार, स्थायित्व और बेजोड़ गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध, एक्शन टेसा आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिज़ाइनरों और फ़र्नीचर निर्माताओं के लिए एक विश्वसनीय नाम बन गया है।

रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य (उत्पादन इकाई) का आरेडिका एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट में दौरा

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट रायबरेली का दिनांक-25.09.2025 रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य (उत्पादन इकाई) सीताराम सिंकू ने दौरा किया। सिंकू ने कोच एवं फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन के संबंध में आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा तथा उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की।

सिंकू ने फर्निशिंगशॉप के प्रांगण में स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के तहत राष्ट्रव्यापी श्रमदान की थीम ''एक दिन एक घण्टा एक साथ'' को गति देने के लिए आरेडिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्वच्छता अभियान में सहभागिता की।

अपर सदस्य ने शेलशॉप, बोगीशॉप, व्हीलशॉप एवं फर्निशिंगशॉप आदि का निरीक्षण किया तथा मशीनों की कार्य दक्षता का अवलोकन किया और इन मशीनों पर कार्यरत कर्मचारियों से मशीन की कार्यप्रणाली के संबंध में बातचीत की। उन्होने आरेडिका में निर्मित होने वाले पहले वन्देभारत के रेक को देखा तथा इसके निर्माण को गति देने के लिए कहा।

आगे इसी क्रम में फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट का दौरा किया फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन को बढ़ाने एवं प्लाण्ट की अवसंरचना के विकास के संबंध में उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श किया। उन्होने फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट के संबंध में कहा कि यह भारतीय रेलवे की महत्वपूर्ण उत्पादन इकाई है। इसका संचालन निरन्तर होता रहे इसके लिए भारतीय रेलवे कृत संकल्पित है।

इस अवसर पर आरेडिका के पीसीएमई विवेक खरे, पीसीएमएम राकेश राज पुरोहित, पीएफए बीएल मीना, पीसीई सत्य प्रकाश यादव, वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी अकमल वदूद, पीसीपीओ रूपेश श्रीवास्तव, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द, सहित फोर्ज्ड व्हील प्लांट के सीडवल्यूएम मनोज कुमार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फ्लिपकार्ट फाउंडेशन ने अक्षय पात्र फाउंडेशन के साथ मिलकर सामुदायिक विकास के प्रयासों को गति दी

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। फ्लिपकार्ट ग्रुप की परोपकारी इकाई फ्लिपकार्ट फाउंडेशन ने अक्षय पात्र फाउंडेशन के साथ मिलकर साल भर चलने वाली पहल लॉन्च की है। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य अहमदाबाद (गुजरात) और वृंदावन (उत्तर प्रदेश) के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 5, 333 छात्रों को पोषक मिड-डे मील प्रदान करना है। यह पहल विद्यार्थियों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई है, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर होगा, नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और वे पढ़ाई पर ठीक तरह से ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।इस साझेदारी को लेकर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, 'फ्लिपकार्ट फाउंडेशन में हमारा मानना है कि बच्चों के सीखने, बढ़ने और विकास करने में अच्छे पोषण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कई बच्चों के लिए मिड-डे मील सिर्फ एक भोजन नहीं, बल्कि स्कूल में रहने और अपने सपनों के रास्ते पर आगे बढ़ने का एक कारण भी है। अक्षय पात्र फाउंडेशन के साथ इस साझेदारी के माध्यम से हमारा लक्ष्य परिवारों एवं समुदायों पर व्यापक प्रभाव डालना है।'

मिशन शक्ति फेस 5 के तहत स्कूली छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के बांसी तहसील क्षेत्र स्थित डॉक्टर मिथिलेश मणि त्रिपाठी आदर्श पीजी कॉलेज कोटिया गड़ौरी में मिशन शक्ति फेज 5 कार्यक्रम का आयोजन हुआ । जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार पूर्व भाजपा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में किया गया इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओ को पुलिस विभाग के द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान व नारी स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया इस दौरान शिवनगर डिडई थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव महिला आरक्षी व क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक द्विवेदी ने महिलाओं को सशक्त बनाने में शासन के द्वारा जारी हेल्प लाइन नंबरों के बारे में जानकारी भी दी साथ ही मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के द्वारा जारी शासन स्तरीय जितनी भी योजनाएं चलाई जा रही है उसके बारे में बताया वहीं मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ने मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राओं को नारी सुरक्षा को लेकर बताया की सभी थानों पर महिलाओं को लिए मिशन शक्ति केंद्र बनाया गया है जहां पीड़ित महिला वहां जा कर आसानी से अपनी समस्या को बता कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है इसके साथ ही शासन के द्वारा महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी।

वहीं मीडिया से बात करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया की उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा मिशन शक्ति फेज 5 का प्रारंभ 2 सितंबर से किया गया है उसी क्रम में जनपद के सभी थानों में महिला मिशन शक्ति केंद्र की स्थापना की गई है जिसके द्वारा हम सभी थानाध्यक्षों व क्षेत्राधिकारीयो के साथ स्कूल कालेजों व गांव में में जा कर चौपाल लगा रहे जिसमे उन्हें महिला सुरक्षा को लेकर जागरूक कर रहे हैं इसके साथ ही शासन द्वारा जारी सभी हेल्पलाइन नंबरों को भी हम सभी लोग साझा करें रहे हैं कार्यक्रम में नीरज मणि त्रिपाठी, धर्मराज चौधरी, रमेश धर द्विवेदी, डिग्री कॉलेज प्रबंधन सोनू त्रिपाठी, के साथ पुलिस विभाग के अधिकारी व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सीएसआर पहल के अंतर्गत मेजा ऊर्जा निगम द्वारा स्टेशनरी किट का वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मेजा ऊर्जा निगम (प्रा.) लिमिटेड अपने नैगम सामाजिक दायित्व (ण्ऐं) कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 25 सितम्बर 2025 को मुख्य अतिथि विधायक कोराव, राजमणि कोल एवं विशिष्ट अतिथि अशेष कुमार चट्टोपाध्याय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी की उपस्थिति मे परियोजना के समीपवर्ती ग्राम सलैया खुर्द के प्राथमिक स्कूल, मे कक्षा 1 से 8 तक कुल 300 छात्र-छात्राओ को स्टेशनरी किट, छाता एवं बैग वितरित किया। इस वित्तीय वर्ष में मेजा ऊर्जा निगम के द्वारा आस पास के स्कूलों में 2000 स्टेशनरी किट, छाता एवं बैग का वितरण किया गया है।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशेष कुमार चट्टोपाध्याय ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'शिक्षा ही बच्चों का सबसे बड़ा हथियार है, और इसी से समाज की दिशा तय होती है। मेजा ऊर्जा निगम का प्रयास है कि आसपास के गाँवों के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में किसी प्रकार की कमी न हो। हम मानते हैं कि यह स्टेशनरी किट केवल सामग्री न होकर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने बच्चों से आग्रह किया कि वे पढ़ाई में मन लगाएँ, नियमित रूप से विद्यालय आएँ और इन अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएँ।

विधायक ने कहा कि आज इस विद्यालय में 'स्टेशनरी किट वितरण' कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। मुझे विश्वास है कि यह स्टेशनरी किट–जिसमें कॉपियाँ, पेंसिल, रंग, रबर, शार्पनर, स्कूल बैग, छाता आदि शामिल हैं–छात्रों को अपनी पढ़ाई में सहायता करेगी। उन बच्चों को, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, और संसाधन न मिलने के कारण बाधा आती थी, अब उन्हें राहत मिलेगी।छात्रों से मेरा निवेदन है कि आप इस सामग्री का सदुपयोग करें।

छात्रा/छात्राओ द्वारा इस सहायता के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि आपने हमें जो पाठ्य सामग्री, स्टेशनरी और अन्य जरूरी सामान निःशुल्क प्रदान किया है, वह हमारे लिए सिर्फ चीजें नहीं, बल्कि हमारे भविष्य की नींव हैं।

प्रधानाचार्य महोदय ने भी इस पहल के लिए संस्था का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे प्रयास समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

साथ ही हमारे संस्था के सतर्कता विभाग द्वारा इस मौके पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत सभी छात्रा/छात्राओ एवं उपस्थित सभी लोगो को शपथ दिलाई गई।

इस कार्यक्रम में अविजीत चटर्जी, मुख्य महा प्रबन्धक (तकनीकी सेवाए), विवेक चन्द्रा, अपर महाप्रबन्धक (एचआर), नवाब खान अंसारी, अपर महाप्रबन्धक (सतर्कता), अन्य एनटीपीसी अधिकारी , ग्राम प्रधान, विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा 2025 : 156 घंटे महासफाई अभियान का भव्य शुभारम्भ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्वच्छता ही सेवा 2025 के तहत आज 'एक दिन एक घंटा एक साथ' विशेष कार्यक्रम के साथ 156 घंटे महासफाई अभियान का भव्य शुभारम्भ हुआ। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी ने हरी झंडी दिखाकर नगर निगम प्रयागराज की सुसज्जित सफाई वाहनों को रवाना किया और लगातार 156 घंटे तक चलने वाले इस ऐतिहासिक स्वच्छता अभियान की शुरुआत की।

नगर निगम की सभी गाड़ियों को विशेष सजावट के साथ रोस्टर के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में भेजा गया।

156 घंटे तक निरंतर सफाई कार्य चलाने हेतु नाला-नाली, पार्क, सार्वजनिक स्थल, उन्ञ्, ण्ऊळ, घाट, शौचालय, स्कूल-कॉलेज, सड़क, जलाशय सहित डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण एवं पृथक्करण की व्यापक व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर 3000 से अधिक नागरिकों ने स्वच्छता की शपथ लेकर अभियान में भागीदारी सुनिश्चित की।

'एक दिन एक घंटा एक साथ' कार्यक्रम के तहत महापौर, पार्षदगण और नगर निगम की पूरी टीम ने नागवासुकी मंदिर पर भव्य श्रमदान किया। मंदिर परिसर को पूर्णतः कचरा-मुक्त किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सफाई मित्रों की महत्ता और शहर को स्वच्छ रखने में जनभागीदारी का संदेश दिया गया।

श्रमदान के पश्चात अपने संबोधन में महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने कहा, 'प्रयागराज की धरती हमेशा से जनसहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण रही है। आज हमने 156 घंटे के इस निरंतर सफाई अभियान की शुरुआत की है। यह केवल सफाई का नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने का संकल्प है। बापू के स्वच्छ भारत के सपने और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के आदर्शों को साकार करने में हम सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। मैं हर नागरिक से आह्वान करता हूँ कि न केवल इन 156 घंटों के दौरान, बल्कि हर दिन अपने आस-पास की स्वच्छता बनाए रखने की आदत को जीवन का हिस्सा बनाएं।'

इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र कुमार यादव, कर निर्धारण अधिकारी संजय ममगाई, सभी जोनल अधिकारी, स्वच्छता एवं खाद्य निरीक्षक, नगर निगम प्रयागराज के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में सम्मानित नागरिक मौजूद रहे।

नगर निगम प्रयागराज सभी नागरिकों से अपील करता है कि 2 अक्टूबर तक चलने वाले 156 घंटे महासफाई अभियान में सक्रिय सहयोग दें और 'स्वच्छ प्रयागराज, स्वस्थ प्रयागराज' के संकल्प को साकार करें।

मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

महिलाओं एवं छात्राओं को वितरित किये गये पम्पलेट, एयरपोर्ट पुलिस ने छात्राओं को दिये टिप्स

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नारी की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित महत्वाकांक्षी अभियान मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत गुरुवार को थाना एयरपोर्ट एंटी रोमियो स्क्वायड व महिला बीट अधिकारियों ने जीनियस इण्टर कालेज में जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने छात्राओं को अपनी सुरक्षा, अधिकार एवं स्वावलंबन के गुर सिखाये। पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त एवं डीसीपी नगर के कुशल पर्यवेक्षण में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए चलाये जा रहे अभियान मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत नगर जोन के थाना एयरपोर्ट में गठित एंटी रोमियो स्क्वायड व महिला बीट अधिकारियों ने जीनियस इण्टर कालेज में जाकर महिला सशक्तिकरण के संबंध में छात्राओं को जागरूक किया। गुड टच, बैड टच तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबर, वूमेन पावर लाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, , आपातकालीन सेवा यूपी-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस-108, साइबर क्राइम 1930 आदि के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति केन्द्र, एण्टी रोमियो स्क्वायड व आत्मरक्षा संबंधी टिप्स आदि के बारे में जानकारी देकर छात्राओं एवं महिलाओं को जागरूक किया गया। अंत में पुलिस टीम ने महिलाओं एवं छात्राओं को पम्पलेट वितरित किये। एयरपोर्ट थाना प्रभारी विनय सिंह ने बताया कि मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत लगातार कालेजों, स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस टीम पहुंचकर छात्राओं एवं महिलाओं को जागरूक कर रही है। इस दौरान उनि परितोष यादव, आकाश सेन, सुखबीर सिंह, मउनि सोनिका, अमिता, शैलसुता सिंह एवं महिला सिपाही डाली विश्वकर्मा रहीं।

थाना महिला एंटी रोमियो स्क्वाड व महिला बीट अधिकारियों द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त व श्रीमान अपर पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत नगर जोन के थाना महिला थाना में गठित एंटीरोमियों स्क्वाड व महिला बीट अधिकारियों द्वारा ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स में जाकर महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए गुड-टच, बैड-टच तथा विभिन्न हेल्पलाइन- वूमेन पॉवर लाइन-1090, आपातकालीन सेवा यूपी-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस-108, साइबर क्राइम-1930 आदि के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति केन्द्र, एण्टी-रोमियो स्क्वाड व आत्मरक्षा सम्बंधी टिप्स आदि के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक किया गया ।

हाईकोर्ट बार की ओर से 12 दिवंगत अधिवक्ताओं की पत्नियों को दिए गए 05 लाख के चेक

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद की ओर से गुरुवार को उच्च न्यायालय के दिवंगत बारह अधिवक्ताओं की पत्नियों को न्यू पदाधिकारी कक्ष में पांच पांच लाख रुपए के चेक सहयोग राशि के रूप वितरित किए गए। यह सभी चेक हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश पाण्डे एवं महासचिव अखिलेश कुमार शर्मा और समस्त कार्यकारिणी की ओर से प्रदान किए गए। बार की ओर से कुल 58 लाख 62 हजार की धनराशि मुहैया कराई गई। जिन दिवंगत अधिवक्ताओं की पत्नियों को चेक प्रदान किए गए हैं उनमें स्व अरूण कुमार सिंह की पत्नी रागिनी सिंह, स्व इरफान हसन के पत्नी निशात अंजुम, स्व वीरेन्द्र कुमार यादव की पत्नी ममता यादव, स्व संजय कुमार सिंह की पत्नी मुन्नी सिंह, स्व अजय सिंह की पत्नी सुनीता सिंह, स्व राधे श्याम मौर्य की पत्नी प्रेमा देवी, स्व संजीव कुमार सिंह की पत्नी शर्मिला श्रीवास्तव, स्व शशांक शेखर की पत्नी सोनी कुमारी, स्व संजय मिश्र की पत्नी रंजना मिश्र, स्व राजेश कुमार सिंह की पत्नी उमंग सिंह, स्व गुलाब चन्द्र की पत्नी किरन लता और स्व फूल चन्द्र यादव की पत्नी पुष्पा शामिल हैं। गौरतलब है कि स्व अजय सिंह की पत्नी सुनीता सिंह को 04 लाख 20 हजार और स्व राधेश्याम मौर्या की पत्नी प्रेमा देवी को 4 लाख 42 हजार का चेक दिया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, विवेक मिश्र, राज कुमार त्रिपाठी, हनुमान प्रसाद मिश्र, दिनेश वरूण, संयुक्त सचिव प्रशासन बैरिस्टर सिंह, संयुक्त सचिव पुस्तकालय शशि कुमार द्विवेदी, संयुक्त सचिव प्रेस रामेश्वर दत्त पाण्डेय, संयुक्त सचिव महिला बिन्दु कुमारी, कोषाध्यक्ष अंजनी कुमार मिश्र, कार्यकारिणी सदस्य अंजली सिंह तोमर, कनक कुमार त्रिपाठी, दिवांशु तिवारी, बलदेव शुक्ल, अभिषेक तिवारी, तृप्ति यादव, आरती गुप्ता, अखण्ड प्रताप त्रिपाठी, गया प्रसाद मिश्र, गिरीश चन्द्र शुक्ला, अनिरूद्ध सिंह, अवनीश चन्द्र त्रिपाठी, कृष्ण मोहन पाण्डेय, आदित्य धर द्विवेदी एवं अमित सिंह सेंगर उपस्थित रहे। यह जानकारी संयुक्त सचिव प्रेस रामेश्वर दत्त पाण्डेय द्वारा दी गई।

प्रयागराज के विंकेश गुलाटी बने ऑटोमोटिव स्किल्सप डेवलपमेंट काउंसिल के चेयरपर्सन

बोर्ड मीटिंग के बाद लिया गया फैसला, निवर्तमान प्रेसिडेंट एफ आर सिंघवी ने सौंपी जिम्मेरदारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अधीन कार्यरत ऑटोमोटिव स्किल्स डेवलपमेंट काउंसिल (एएसडीसी) ने प्रयागराज निवासी विंकेश गुलाटी को नया चेयरपर्सन नियुक्त किया है। बोर्ड की मीटिंग में इनकी नियुक्ति का फैसला लिया गया। वे निवर्तमान प्रेसिडेंट एफ आर सिंघवी की जगह लेंगे। विंकेश गुलाटी लंबे समय से ऑटोमोबाइल इंडस्ट्रीप और एएसडीसी से जुड़े हुए है। वर्तमान में वो बतौर वाइस प्रेसिडेंट अपनी जिम्मेलवारी निभा रहे थे। वे इंडियन इंडस्ट्रीस एसोसिएशन प्रयागराज के चेयरमैन रह चुके है।

नए चेयरपर्सन के रूप में विंकेश गुलाटी ने कहा कि ऑटोमोटिव उद्योग के इस महत्वपूर्ण समय में एएसडीसी का नेतृत्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। तकनीकी बदलाव और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की वृद्धि के साथ, कौशल विकास पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। मेरा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि एएसडीसी इंडस्ट्री की जरूरत के अनुसार, प्रशिक्षण प्रदान करता रहे। युवाओं की रोजगार योग्यता बढ़ाए और भारत के कार्यबल को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करे।

इस अवसर पर निवर्तमान प्रेसिडेंट एफ आर सिंघवी ने कहा कि एएसडीसी का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। हमने कौशल विकास में मजबूत आधार तैयार किया है और मुझे विश्वास है कि अब गुलाटी के नेतृत्व में एएसडीसी फ्यूचर स्किल्सड पर अधिक फोकस करेगा और ऑटोमोटिव इकोसिस्टम को और स्किल्डे वर्कफोर्स मुहैया कराएगा।

विंकेश गुलाटी ऑटोमोटिव और शिक्षा क्षेत्र के जाने-माने व्यक्तित्व हैं। उन्होंने 2020 से 2022 तक फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के प्रेसिडेंट के रूप में सेवा दी है और वर्तमान में यूनाइटेड ऑटोमोबाइल्स और यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का नेतृत्व कर रहे हैं। वह यूनाइटेड ऑटोमोबाइल्स के डायरेक्टर हैं, जो प्रयागराज, फरीदाबाद और दिल्ली में महिंद्रा और बजाज वाहनों की प्रमुख डीलरशिप नेटवर्क है। इसके साथ ही, वह यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट भी हैं, जिसके अंतर्गत प्रयागराज स्थित यूनाइटेड यूनिवर्सिटी और यूनाइटेड मेडिसिटी सहित कई कॉलेज संचालित होते हैं।

एएसडीसी में बतौर वाइस प्रेसिडेंट काम करते हुए इलेक्ट्रिक वाहन, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल डायग्नोस्टिक्स के क्षेत्र में स्किल गैप को कम करने का उल्लेखनीय काम किया है।

मिशन शक्ति 5.0 - नारी शक्ति का नया आयाम

महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों से अवगत कराया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत श्रीमान पुलिस आयुक्त व श्रीमान अपर पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में आज दिनाँक 25.09.2025 को नगर जोन के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम व जागरूकता रैली में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के अन्तर्गत नगर जोन के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ

गैंगस्टर में भी हाईकोर्ट से मिली जमानत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने गैंगेस्टर एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में इरफान की जमानत मंजूर कर ली है। सपा नेता आजम खां के बाद दूसरे सपा नेता इरफान सोलंकी के भी जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है।

न्यायमूर्ति समीर जैन ने इरफान के अलावा उनके भाई रिजवान और इजराइल आटे वाला की भी जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। कानपुर की सीसामऊ सीट से इरफान विधायक थे। सजा के बाद उनकी विधायकी चली गई थी। उपचुनाव में इरफान की पत्नी ही यहां से विधायक चुनी गई थीं। इरफान सोलंकी पिछले 24 महीनों से महाराजगंज जेल में बंद हैं, जबकि अन्य आरोपी कानपुर जेल में हैं।

हाईकोर्ट ने तीनों की जमानत अर्जी पर एक साथ सुनवाई की और दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद गत दो सितंबर को फैसला सुरक्षित कर लिया था। तीनों के खिलाफ कानपुर नगर के जाजमऊ थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है।

महराजगंज जिला कारागार में बंद पूर्व विधायक इरफान सोलंकी, उसके भाई रिजवान सोलंकी और इजराइल आटे वाला के खिलाफ कानपुर के जाजमऊ थाने में यह मुकदमा दिसंबर 2022 में दर्ज हुआ था। जमानत के समर्थन में कहा गया था कि इरफान सोलंकी के विरुद्ध राजनीतिक रंजिश के कारण मुकदमे दर्ज़ कराए गए हैं। तीनों अभियुक्तों को अन्य सभी मुकदमों में ज़मानत मिल चुकी है। ऐसे में गैंगस्टर एक्ट के मामले में भी जमानत मंजूर की जाए। कोर्ट ने तथ्यों पर विचार के बाद इरफान सोलंकी सहित तीनों आरोपियों की ज़मानत मंजूर कर ली है।

ज्ञात हो कि इरफान सोलंकी को हाल ही में अन्य मामलों में भी जमानत मिल चुकी है। मार्च 2025 में रंगदारी के एक मामले में उन्हें और उनके भाई रिजवान सोलंकी को जमानत मिली थी। इसके अलावा 1 अक्टूबर 2024 को बांग्लादेशी नागरिक के फर्जी दस्तावेज बनाने में मदद करने के आरोप में उन्हें जमानत मिली है।

इरफान सोलंकी को जाजमऊ की डिफेंस कॉलोनी में नजीर फातिमा के घर में आगजनी के मामले में कानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने 7 जून 2024 को सात साल की सजा सुनाई थी। इस सजा के कारण उनकी विधानसभा सदस्यता भी रद्द हो गई थी। हाईकोर्ट ने इस मामले में 14 नवंबर 2024 को जमानत तो दी थी, लेकिन सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

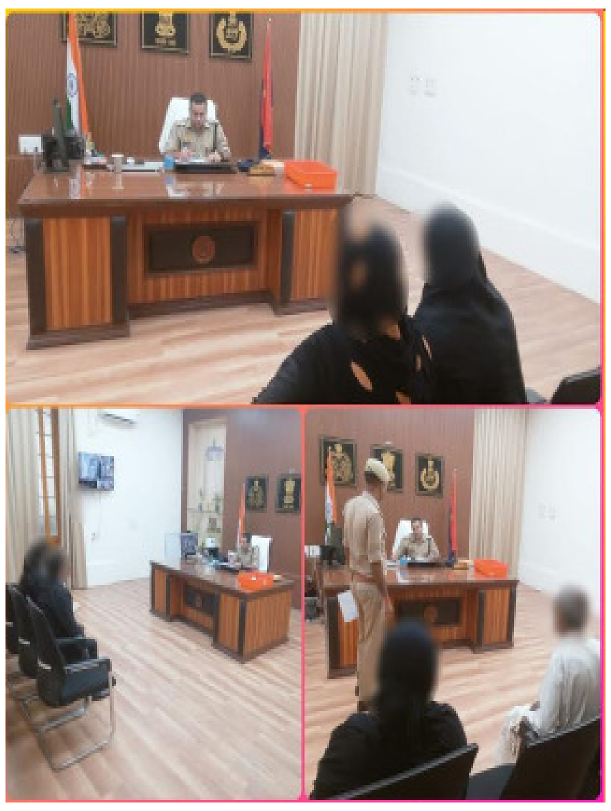

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

एंटी रोमियो स्क्वाड व महिला बीट अधिकारियों द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के तहत चलाया जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। थाना घूरपुर की मिशन शक्ति केन्द्र टीम, एंटी रोमियो स्क्वाड व महिला बीट अधिकारियों द्वारा राधाकृष्णन इंटर कॉलेज थाना घूरपुर प्रयागराज में जाकर 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया।

मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0 सरकार द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु समर्पित अभियान 'मिशन शक्ति-5.0' के क्रम में आज दिनांक-25.09.2025 को श्रीमान पुलिस आयुक्त व श्रीमान अपर पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त यमुनानगर व अपर पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में यमुनानगर जोन के थाना घूरपुर में गठित मिशन शक्ति केन्द्र टीम, एंटीरोमियों स्क्वाड व महिला बीट अधिकारियों द्वारा थाना घूरपुर क्षेत्रान्तर्गत राधाकृष्णन इंटर कॉलेज में जाकर महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजना जैसे सुकन्या योजना, सुमंगला योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, सामुहिक विवाह योजना आदि गुड-टच, बैड-टच तथा विभिन्न हेल्पलाइन- वूमेन पॉवर लाइन-1090, आपातकालीन सेवा- यूपी-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस-108, साइबर क्राइम-1930 आदि व सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना के बारे में अवगत कराया गया, साथ ही मिशन शक्ति केन्द्र, एण्टी-रोमियो स्क्वाड व आत्मरक्षा सम्बंधी टिप्स आदि के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक किया गया । उक्त कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं/छात्राओं द्वारा प्रश्न किये गये जिन्हे उचित उत्तर देते हुए उनके डाउट को क्लियर किया गया ।

सम्पादकीय

सपनों का घर या धोखाधड़ी, कर्ज लेकर खरीदा घर मगर कब्जा नहीं; बिल्डरों और बैंकों की साजिश ने बढ़ाईं मध्यवर्ग की मुश्किलें

हर किसी का सपना होता है कि शहर में उसका भी अपना एक घर हो। इसके लिए वह अपने जीवन भर की पूंजी लगा देता है। खासकर मध्यम वर्ग के लोग इस सपने को पूरा करने के लिए अपने दैनिक खर्चे में कटौती कर बैंकों से कर्ज भी लेते हैं। मगर परेशानी तब बढ़ जाती है, जब तय समय पर उन्हें घर नहीं मिल पाता है। जाहिर है यह सब भवन निर्माताओं की मनमानी की वजह से ही होता है। ऐसे मामलों में कर्ज देने वाले बैंकों की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं।

देशभर में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें भवन निर्माताओं और बैंकों के बीच साठगांठ के आरोप लगे हैं। इसी घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर के बाद अब मुंबई, बंगलुरु, कोलकाता, मोहाली और प्रयागराज में घर खरीदारों से धोखाधड़ी करने के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) को छह नए मामले दर्ज करने की अनुमति दी है। सीबीआइ का कहना है कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस संबंध में संज्ञेय अपराध का मामला बनता है।

इसमें दोराय नहीं कि मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बढ़ती महंगाई के इस दौर में शहरों में घर खरीदने के वास्ते रकम जुटाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में बैंकों से कर्ज लेना ही एकमात्र विकल्प होता है। मगर इन्हीं बैंकों के कर्मी अगर भवन निर्माताओं के साथ साठगांठ कर घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने लगें, तो कर्ज की यह सुविधा ही मुश्किल में डाल देती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस वर्ष जुलाई में दिल्ली-एनसीआर में घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोपों से जुड़े मामलों में बैंकों और भवन निर्माताओं के बीच साठगांठ की गहन जांच के लिए सीबीआइ को बाईस मामले दर्ज करने की अनुमति दी थी। ये मामले एनसीआर में कार्यरत भवन निर्माताओं और उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा के विकास प्राधिकरणों से संबंधित हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर के बाहर की आवास परियोजनाओं की प्रारंभिक जांच करने के लिए सीबीआइ को छह सप्ताह का समय दिया था।

दरअसल, शहरों में घर खरीदने वालों के लिए बैंकों ने ब्याज अनुदान योजना शुरू की है। इसके तहत बैंक स्वीकृत राशि सीधे भवन निर्माता के खातों में जमा करते हैं, जिन्हें तब तक स्वीकृत ऋण राशि पर किस्त का भुगतान करना होता है, जब तक कि आवास खरीदारों को नहीं सौंप दिए जाते।

सर्वोच्च न्यायालय ऐसे 1, 200 से अधिक घर खरीदारों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिन्होंने एनसीआर, विशेष रूप से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में विभिन्न आवास परियोजनाओं में ब्याज अनुदान योजनाओं के तहत आवास बुक किए थे। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि आवास का कब्जा अभी तक नहीं मिला है और बैंक उन्हें कर्ज की किस्तों का भुगतान करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। ऐसे में सवाल है कि बैंक नियमों के विपरीत घर खरीदारों पर दबाव क्यों बना रहे हैं?

साफ है कि बैंकों का यह रवैया आपसी मिलीभगत की ओर इशारा करता है और यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने इन मामलों में कडा संज्ञान लिया है। दूसरी ओर सरकार को भी इस तरह के मामलों को गंभीरता से लेना चाहिए। विभिन्न परियोजनाओं के तहत घर खरीदने की पेशकश करने वाले भवन निर्माताओं और कर्ज देने वाले बैंकों पर नजर रखने के लिए माकूल निगरानी तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए, ताकि खरीदारों के हितों की रक्षा हो सके।

मोदी के तख्तापलट की चीनी साजिश
जिनपिंग के सबसे बड़े प्लान का कैसे हुआ खुलासा?

चीन भारत के साथ रिश्तों को सुधारने की कोशिश तो कर रहा है, अगर फौरी तौर पर देखें तो ऐसा ही कुछ फिल गुड सिचुएशन नजर आएगा। लेकिन चीन की मंशा को लेकर स्ट्रैटजिक एक्सपर्ट हमेशा भारत को आगाह और सचेत करते रहे हैं। चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। इसके पीछे1962 वाली घटना का भी जिक्र किया जाता है। हिंदी-चीनी भाई-भाई की आड़ में दगाबाजी का खंजर चीन के द्वारा भारत की पीठ पर घोंपा गया था। चीन ने भारत पर हमला किया और आज भी हमारी 38-39 हजार स्कायर किलोमीटर जमीन पर कब्जा जमाए बैठा है। चीन ने ऐसी ही कोशिश 2020 में भी की। कोरोना नामक महामारी से हैरान-परेशान दुनिया इसके इलाज तलाह रही थी। लेकिन मक्कार चीन इसकी आड़ में भारत की जमीन को हथियाने की कोशिश की। नतीजन गलवान घाटी में ड्रैगन के नापाक मंसूबों के आगे हिंद की सेना मजबूती के साथ डट खड़ी हुई।

वियतनाम युद्ध के बाद पहली बार इसमें चीन की पीएलए को शहादत झेलनी पड़ी। हालांकि इस झड़प में भारत के सैनिक भी शहीद हुए। कुल मिलाकर कहे कि अगर जानकार चीन पर भरोसे की बात को लेकर हमेशा आगाह करते रहते हैं, वो अपनी जगह बिल्कुल ठीक भी है। चीन की साजिशों को बहुत ही अच्छी तरह से समझने वाले अब तिब्बत सरकार के पूर्व राष्ट्रपति

तिब्बत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. लोबसांग सांगे ने कुछ ऐसे खुलासे किए हैं जो बिल्कुल चौंकाने वाले हैं।

उनका कहना है कि चीन की चालें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है। बल्कि सीधे भारत की सत्ता पर वार करने लगी है। उनका ये कहना है कि दिल्ली स्थित चीनी दूतावास न केवल भारतीय नेताओं और पत्रकारों को साधने की कोशिश कर रहा है, जिनमें यूट्यूबर्स भी शामिल हैं। उनके सहारे मोदी सरकार के तख्तापलट करने की साजिश रची जा रही है। चीनी दूतावास इस कोशिश में है कि मोदी सरकार का तख्तापलट किया जाए और इसके लिए वो कई तरह के षड़यंत्र रच रहे हैं। मीडिया का भी इसमें इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें कई बड़े पत्रकार समेत कई यूट्यूबर्स शामिल हैं। सारे दावे तिब्बत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. लोबसांग सांगे ने एक इंटरव्यू के दौरान किए हैं।

पत्रकारों को प्रभावित करने, बड़े बड़े बिजनेसमैन को भी लालच दिया जा रहा है। मीडिया में पैसा डालकर नैरेटिव को बदलने का खेल बीजिंग खेल रहा है। भारत के पड़ोस पर नजर डालेंगे तो चीन के पैसों से कुछ सरकारें खड़ी हैं। पाकिस्तान, श्रीलंका जैसे देश इसका उदाहरण हैं। बीजींग का खेल सिर्फ व्यापार नहीं है बल्कि इसकी आड़ में सत्ता पलटने का भी खेलता है। ऐसा ही खेल वो भारत में भी खेलने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने बताया कि कैसे नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव और पाकिस्तान में चीन ने सत्ताधारी वर्गों को अपने पक्ष में कियाहै। उनके शब्दों में ये एलीट कैप्चर की मिसाल है। डॉक्टर सांगे ने ये भी बतायाकि ये रणनीति दक्षिण एशिया से आगे तक फैली है। उन्होंने कहा कि मैंने यूरोप में ऐसे मंत्री देखे हैं जिन्होंने चीन की तारीफ की और बाद में चीनी कंपनियों में डायरेक्टर और वह 100, 000 डॉलर से लेकर 888, 000 डॉलर तक की सालाना तनख्वाह पर। डॉक्टर सांगे ने भारत के सभी दलों के नेताओं, व्यापारियों और पत्रकारों को अलर्ट रहने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि चीन को फर्क नहीं पड़ता कि वह किसे खरीदता है, जब तक वह उनके एजेंडे को आगे बढ़ाता है।

डॉ. सांगे ने आगे तर्क दिया कि बीजिंग के प्रभावकारी अभियान भारत को नियंत्रित करने के उसके व्यापक भू-राजनीतिक लक्ष्य से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि चीन मालदीव, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल का समर्थन क्यों कर रहा है? वे भारत पर हमला करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों को क्यों रोक रहे हैं? क्योंकि वे भारत को घेरना चाहते हैं और दक्षिण एशिया पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। चीन के आर्थिक प्रभाव की तुलना राजनीतिक चालाकी से करते हुए, उन्होंने भारत के व्यापार घाटे पर प्रकाश डाला। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत चीन से 113 अरब डॉलर का सामान खरीदता है, लेकिन केवल 14 अरब डॉलर का बेचता है। यह 99 अरब डॉलर का घाटा है। इसका मतलब है कि भारत में कम कारखाने, कम विनिर्माण और कम नौकरियाँ होंगी। चीन के साथ जुड़ाव न केवल असंतुलित है, बल्कि खतरनाक भी है।

डॉ. सांगे ने हेनरी किसिंजर के उस लोकप्रिय सिद्धांत पर भी निशाना साधा कि चीन के साथ व्यापार से उसका लोकतंत्रीकरण होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम ने 30 साल तक इसी भ्रम में निवेश किया। लोकतांत्रिक बनने के बजाय, चीन और अधिक विरोधी हो गया है। मुझे उम्मीद है कि भारत यह गलती नहीं दोहराएगा। बहरहाल, सीमा पर पहले से ही तनाव चरम पर है, ऐसे में डॉ. सांगे के शब्द एक भयावह चेतावनी हैं कि चीन की भारत के लिए चुनौती सिर्फ़ सैन्य ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और आर्थिक भी है।

क्या सपने पूरे करने के लिए सिर्फ संघर्ष ही जरूरी है, या आसान रास्ते से भी सुकून मिल सकता है?

हम सबके साथ ऐसा कभी न कभी जरूर होता है कि हम अचानक ही सोए हुए से जाग जाते हैं। यह अक्सर किसी सपने की वजह से होता है, जो अच्छे या बुरे, दोनों ही रूपों में हो सकता है। कभी कोई अच्छा सपना हमें हंसा देता है, तो कभी बुरे सपने के कारण डर से नींद टूट जाती है और मन यह सोचकर ही घबरा जाता है कि कहीं वह सच हो गया तो? सपनों और इंसानों की आंख-मिचौली वाला यह रिश्ता इंसान के जन्म के साथ ही जुड़ जाता है। शायद हमने ध्यान दिया होगा कि किस तरह एक शिशु सोए-सोए मुस्कुरा उठता है, तो कभी इस कदर झल्ला उठता है कि चुप होने का नाम नहीं लेता।

हम चाहे सपनों की जो भी व्याख्या करते हों, विज्ञान के पास इसकी बड़ी लंबी-चौड़ी परिभाषा और विश्लेषण मौजूद है। जो भी हो, मनुष्य को हंसाने-रुलाने वाले इन सपनों का उसके जीवन में बड़ा महत्त्व है। इनका महत्त्व तब और बढ़ जाता है, जब सपने केवल व्यक्तिगत लालसा या भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं होकर समष्टि के लिए भी देखे जा रहे हों। उनका आधार मानव कल्याण और सत्यनिष्ठा होना चाहिए। जब सपने दूसरों के जीवन को भी रोशन करें, तभी वे नैतिक रूप से सार्थक होते हैं। केवल अपने लिए ऊंचाइयां छूना पर्याप्त नहीं है, दूसरों को साथ लेकर चलना ही नैतिकता का परिचायक है।

मनुष्य का जीवन तभी सार्थक होता है, जब उसमें कोई उद्देश्य और मूल्य हों। उद्देश्य हमें दिशा देते हैं और मूल्य हमें सही मार्ग पर टिकाए रखते हैं। वे सपने, जिन्हें हम अक्सर अपनी कल्पनाओं का हिस्सा मानते हैं, दरअसल जीवन की नैतिक धुरी हो सकते हैं। यहां यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से आ सकता है कि क्या जिंदगी को सपनों जैसा बनाना महत्त्वपूर्ण है या सपनों को जिंदगी में महत्त्व देना! अधिकतर लोग सपनों जैसी जिंदगी का अर्थ ऐश्वर्य, आराम और विलासिता से लगाते हैं, लेकिन अगर जिंदगी केवल निजी स्वार्थ तक सीमित हो, तो उसका नैतिक मूल्य कम हो जाता है। वह प्रारंभ में भले ही खूबसूरत लगे, लेकिन बाद में मरीचिका प्रतीत होती है। जहां हम प्यास बुझाने के लिए, पानी की तलाश में अकेले भटकते रह जाते हैं।

सच्चे सपनों जैसी जिंदगी वही है, जहां हम ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाएं, मेहनत और लगन से आगे बढ़ें। दूसरों की भलाई में भी हिस्सा लें और अपने सुख-दुख में संतुलन बनाए रखें। जीवन को सपनों-सा सुंदर बनाने की कोशिश सभी करते हैं, लेकिन कहीं न कहीं कुछ चूक हो ही जाती है। फिर हम सपनों को ही दोष देने लगते हैं। जबकि गलती सपनों की नहीं, बल्कि उनको पूरा करने की हमारी कोशिश में रहती है। यह समझने की जरूरत है कि संघर्ष से बचकर सपनों तक पहुंचना संभव नहीं।

मसलन, अगर कोई विद्यार्थी परीक्षा में नकल कर अच्छे अंक ले आता है तो वह भले ही उस समय अपने सपने पूरे कर ले, लेकिन यह नैतिक रूप से अधूरा रह जाता है। वहीं ईमानदारी से मेहनत कर मिलने वाली सफलता छोटी हो सकती है, पर उसका मूल्य कहीं अधिक है। अरस्तु ने कहा था- 'हम वही हैं, जो हम बार-बार करते हैं। उत्कृष्टता कोई कर्म नहीं, बल्कि एक आदत है।'

यहीं सपनों की अहमियत को समझा जा सकता है, क्योंकि हमारे सपने और उन्हें पाने की प्रक्रिया हमारे चरित्र को गढ़ते हैं। सपनों को सच करने सकारात्मक कोशिशें हमारे आत्मविश्वास और मनोबल को बढ़ाती हैं। वहीं उन्हें पूरा करने के लिए अपनाई गई गलत कोशिशें हमारे चरित्र को गिराती हैं। आत्मविश्वास कम करती हैं। कभी-कभी लोग सपनों को देखने में इतने खो जाते हैं कि उन्हें अपनी वर्तमान जिंदगी तुच्छ लगने लगती है।

नैतिक दृष्टिकोण कहता है कि हमें जीवन जैसा भी मिला है, उसका सम्मान करना चाहिए, क्योंकि इस दुनिया में कुछ ऐसे भी बदकिस्मत लोग हैं जिन्हें देखकर 'कमी' क्या होती है, यह समझ में आता है। उनके जीवन के सपने, किसी सक्षम व्यक्ति के सपनों से बेहद जुदा होते हैं, जो सिर्फ दो वक्त भरपेट भोजन और तन ढकने भर कपड़े मिल जाने भर से जुड़े होते हैं।

यह जीवन बहुत खूबसूरत और कीमती है, जहां हर व्यक्ति के सपनों की दुनिया अलग है। उनकी सीमाएं अलग है। शायद इसीलिए हमें ऊंचे सपने देखने के लिए कहा जाता है, ताकि हमारे अंदर चरित्र, मन और विचारों की ऊंचाई आए। अपने सपनों को जरूर सहेजें, उन्हें पूरा करने की कोशिश भी करें, लेकिन दिल में थोड़ी-सी जगह दूसरों के लिए भी रखें। जीवन में व्यक्तिगत सपनों का महत्त्व है, लेकिन समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। जिस तरह एक डाक्टर का सपना धन कमाना न हो, बल्कि रोगियों की सेवा करना हो।

एक शिक्षक का सपना केवल नौकरी तक सीमित न हो, उसकी कोशिश विद्यार्थियों को बेहतर इंसान बनाना भी होना चाहिए। एक नेता का सपना केवल सत्ता पाना न होकर जनता की सेवा करना होना चाहिए। इस समाज में सभी आपस में किसी न किसी रूप से जुड़े हुए हैं। इसलिए ध्यान देने की और भी जरूरत होती है। जब सपने को सच करने की कोशिश नैतिकता से जुड़ जाती है तो सपनों की अहमियत बढ़ जाती है। फिर भले ही बंद आंखों से देखे गए सपने हमें कभी रुला दें, लेकिन खुली आंखों से देखे सपने हमें हमेशा ही सुकून और आत्मसंतुष्टि देंगे।

क्या सच में बेटी की सुरक्षा का मतलब जल्दी शादी है, या शिक्षा और आजादी बनाती है मजबूत?

किसी भी समाज की असली पहचान इस बात से होती है कि वह महिलाओं और बेटियों के साथ कैसा व्यवहार करता है। देश और समाज की प्रगति केवल ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकदार आंकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इसका आकलन महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा, स्वतंत्रता और उन्हें मिलने वाले अवसरों के आधार पर भी किया जाता है। बेटियों का सवाल केवल घर की चौखट तक सीमित रहने की चिंता से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह पूरी सभ्यता की दिशा और उसकी मूल्य प्रणाली का प्रश्न है। यदि देश की आधी आबादी को बराबरी का अधिकार और अवसर न मिले, तो किसी भी प्रगति का दावा खोखला ही साबित होता है। मगर यह कटु सच्चाई है कि भारत जैसे देश में आज भी बाल विवाह की काली छाया मौजूद है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के ताजा आंकड़े बताते हैं कि बीस से चौबीस वर्ष की तेईस फीसद महिलाओं का विवाह अठारह वर्ष की आयु से पहले हो चुका था। यानी हर चौथी लड़की के बचपन की किताब अधूरी ही रह जाती है। यह कानून का उल्लंघन ही नहीं, बल्कि संभावनाओं, सपनों और अधिकारों का हनन भी है।

यह बात भी सच है कि पिछले करीब तीन दशकों में भारत ने इस मोर्चे पर उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 1993 में बाल विवाह की दर लगभग 49 फीसद थी, जो अब घट कर 23 फीसद रह गई है। मगर वर्ष 2016 के बाद इस प्रगति की रफ्तार चिंताजनक रूप से धीमी हो गई। यूनिसेफ की वर्ष 2023 की रपट बताती है कि दक्षिण एशिया बाल विवाह के मामले में दुनिया का सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है। भारत में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यह आंकड़ा केवल एक सामाजिक विफलता नहीं, बल्कि एक नैतिक चेतावनी भी है कि यदि हमने अपनी सोच नहीं बदली, तो आगे बढ़ने के बजाय हम फिर पीछे लौट सकते हैं। एनएफएचएस-5 के आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या सिर्फ परंपरा या मान्यता से नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक ढांचे से गहराई से जुड़ी है।

ग्रामीण भारत में बाल विवाह की दर 27 फीसद है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह केवल 15 फीसद पर सिमटी है। सबसे गरीब तबकों में यह दर 39 फीसद तक पहुंच जाती है, जबकि सबसे अमीर तबकों में यह मात्र आठ फीसद है। स्पष्ट है कि गरीबी और निरक्षरता इस कुप्रथा के सबसे बड़े कारक हैं। आर्थिक अभाव और सामाजिक दबाव मिल कर बेटियों के बचपन, उनके सपनों और अधिकारों को छीन लेते हैं।

बाल विवाह न केवल बेटियों के शिक्षा के अधिकार का हनन करता है, बल्कि उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए भी घातक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 15 से 19 वर्ष की लड़कियों में गर्भावस्था और प्रसव से मृत्यु का खतरा वयस्क महिलाओं की तुलना में कई गुना अधिक होता है। उनमें बच्चों की मृत्यु दर भी कहीं अधिक पाई जाती है। यानी यह कुप्रथा केवल सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि जीवन और मौत का प्रश्न है। जिस समाज में मां और बच्चे दोनों असुरक्षित हों, वहां सभ्यता के विकास के सारे दावे बेमानी हो जाते हैं। इस अंधकार से निकलने का सबसे प्रभावी मार्ग शिक्षा है।

यूनिसेफ की रपट बताती है कि यदि सभी लड़कियां प्राथमिक शिक्षा पूरी कर लें, तो बाल विवाह की संभावना चौदह फीसद तक घट जाती है और यदि माध्यमिक शिक्षा पूरी कर लें, तो यह संभावना 64 फीसद तक कम हो सकती है। ये आंकड़े इस तथ्य को स्थापित करते हैं कि बेटी की असली सुरक्षा दीवारों से, दहेज की रकम से या समय से पहले किए गए विवाह से नहीं, बल्कि उसकी शिक्षा, आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने की क्षमता से संभव है। कुछ राज्यों ने इस दिशा में ठोस काम किया है।

झारखंड में एनएफएचएस-4 (2015-16) के दौरान वहां बाल विवाह की दर 37.9 फीसद थी, जो एनएफएचएस-5 में घट कर 32.2 फीसद हो गई। हाल ही में राज्य सरकार ने यूनिसेफ के साथ मिल कर 2025-30 की कार्ययोजना बनाई है, जिसके तहत लड़कियों को शिक्षा, कौशल विकास और आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस तरह के प्रयास यह उम्मीद जगाते हैं कि बदलाव संभव है, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि ऐसे उदाहरण अभी सिर्फ अपवाद हैं, सामान्य स्थिति नहीं।

यहां एक बुनियादी सवाल उठता है कि जब वर्ष 2006 का बाल विवाह निषेध अधिनियम मौजूद है, तो भी यह समस्या क्यों बनी हुई है? इसका सीधा उत्तर है कि कानून और योजनाएं तब तक असरदार नहीं होतीं, जब तक समाज की मानसिकता नहीं बदलती। असम ने वर्ष 2023 में बाल विवाह के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। सैकड़ों शादियां रद्द की गईं और गिरफ्तारियां भी हुईं। मगर इसका दूसरा पहलू यह रहा कि कई गरीब परिवारों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति अचानक हिल गई। यह अनुभव साफ करता है कि केवल दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। जब तक बेटियों और उनके परिवारों को बेहतर विकल्प, शिक्षा और आर्थिक अवसर उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे, तब तक किसी भी कानून से स्थायी समाधान निकलने की उम्मीद कम है। भारतीय समाज का सबसे बड़ा संकट यही है कि बेटियों की सुरक्षा का अर्थ जल्दी विवाह से लगाया जाता है। समाज के एक हिस्से की मान्यता है कि बेटी तभी सुरक्षित है, जब कम उम्र में उसका विवाह कर दिया जाए। यह सोच ही उसकी सबसे बड़ी असुरक्षा है। असली सुरक्षा तब है, जब वह पढ़-लिखकर आत्मनिर्भर बने, अपने फैसले लेने की क्षमता हासिल करे और जीवन को अपने दम पर जी सके। चारदीवारी में कैद कर देना या कम उम्र में विवाह कर देना किसी भी दृष्टि से सुरक्षा नहीं, बल्कि अन्याय है। अब यह समझने की जरूरत है कि बाल विवाह की समस्या से लड़ना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह समाज के हर वर्ग, हर परिवार और हर व्यक्ति का दायित्व है। पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान, समुदाय के नेताओं की सक्रिय भागीदारी और मीडिया की रचनात्मक भूमिका बेहद अहम हो सकती है।

परिवारों को यह समझाना होगा कि बेटी बोझ नहीं है, बल्कि उसकी शिक्षा और आत्मनिर्भरता ही पूरे घर और समाज की ताकत बन सकती है। यह सवाल सिर्फ बेटियों का नहीं, पूरी मानवता की प्रगति का है। लोकतंत्र और समानता का दावा तभी सार्थक होगा, जब बेटियों को भी वही अवसर मिलें, जो बेटों को मिलते हैं। यह संवैधानिक प्रावधान मात्र नहीं, सभ्यता की असली कसौटी है। हमें बाल विवाह को केवल एक आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों के खिलाफ अपराध के रूप में देखना होगा।

बेटी का बचपन, उसकी शिक्षा और स्वतंत्रता उसका मूल अधिकार है, कोई उपकार नहीं। समाज इसे जितनी जल्दी स्वीकार करेगा, उतनी ही जल्दी सरकारी नीतियां भी असर दिखाएंगी। विकास का असली अर्थ तभी पूरा होगा जब उसका असर हर घर और हर बेटी की जिंदगी में दिखाई दे। ऊंची इमारतें और चौड़ी सड़कें भी तभी प्रगति कहलाएंगी, जब हर बेटी को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान मिलेगा।

जिला जज , डीएम, एसपी द्वारा जिला कारागार का किया गया संयुक्त निरीक्षण

निर्मित कालीन की फिंसिंग व गुणवत्ता को देखकर जिला जज, डीएम, एसपी ने बुनकर कैदियों के हुनर की सराहना

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद न्यायाधीश अखिलेश दूबे, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, अपर जिला जज तरुणिमा पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार ज्ञानपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होने जेल में बन्द कैदियों को सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की भी जानकारी ली, तथा जेल अधीक्षक को सरकार द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाओं को समय से बन्दियों को मुहैया कराने का निर्देश दिया। इस दौरान ज्ञानपुर जिला जेल में निरुद्ध जनपद भदोही के पुरुष/महिला बैरकों में जाकर सरकार द्वारा उन्हें दी जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया।

'एक जनपद एक उत्पाद' के क्रम में कालीन बुन रहे बुनकर बन्दियों से जनपद न्यायाधीश , डीएम व एसपी ने जानकारी लेते हुए उनके द्वारा निर्मित कालीनों- सीता समाहित, प्राकृतिक दृश्य सीनरी आदि का अवलोकन कर उनके कार्यो की सराहना किया। जनपद न्यायाधीश को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंकित कालीन लोगो को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा सप्रेम भेट किया गया। प्राप्त कालीन लोगो की फिंसिंग व सफाई गुणवत्ता को देखकर जिला जज सहित सभी ने बुनकर कैदियों के हुनर की सराहना किया।

निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने रसोई घर, स्टोर खाद्यान, महिला बैरक/पुरुष बैरक/किशोर बैरक, के निरीक्षण के साथ ही जेल कैम्पस में ही संचालित डिस्पेन्सरी का भी निरीक्षण किया तथा डिस्पेन्सरी में मौजूद दवाओं के बारे में जानकारी हासिल की। तत्पश्चात सभी अधिकारियों ने महिला बैरक में पहुच कर उन्हें जेल प्रशासन द्वारा मुहैया करायी जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी हासिल की तथा उन्हें सरकार द्वारा प्रदत सभी सुविधाएं समय पर मुहैया कराये जाते रहने का निर्देश दिया। महिलाओं और बच्चों को चॉकलेट व बिस्किट दिया। उपर्युक्त लोगों ने पेयजल व्यवस्था, शौचालय, साफ-सफाई आदि का निरीक्षण के साथ ही मुलाकाती पंजिका का भी अवलोकन किया। कारागार अधीक्षक अभिषेक सिंह ने कारागार का अवलोकन कराया।

मिशन शक्ति 5 से 'एक दिन की बीएसए बनी आराध्या पाठक

सशक्त भविष्य की कल्पना को साकार करने हेतु मिशन शक्ति 5 एक प्रेरक कदम- जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन को समर्पित मिशन शक्ति फेज-5 के अन्तर्गत जनपद भदोही में एक विशेष और प्रेरणादायक पहल को साकार रूप दिया गया। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में आदर्श कंपोजिट विद्यालय, ज्ञानपुर में कक्षा 5 की छात्रा आराध्या पाठक को एक दिन का जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बनाया गया। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना, उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न करना तथा शिक्षा, स्वच्छता और बच्चों के अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ाना रहा।

आराध्या पाठक ने निभाई बीएसए की भूमिका एक दिन के लिए बीएसए का कार्यभार संभालते हुए बालिका आराध्या ने विद्यालय के निरीक्षण के दौरान महत्वपूर्ण निर्देश दिए। विद्यालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश। मध्यान्ह भोजन को गुणवत्ता मानकों एवं निर्धारित मीनू के अनुसार तैयार करने पर बल। सभी विद्यार्थियों को समय से विद्यालय आने के लिए प्रेरित करने संबंधी दिशा-निर्देश। आराध्या का यह आत्मविश्वासपूर्ण कार्य प्रशंसनीय रहा, जिसमें उसने प्रशासनिक दायित्वों को समझते हुए जिम्मेदारीपूर्वक निर्णय लिए।

मुख्यमंत्री व जिलाधिकारी के प्रति जताया आभार बीएसए बनने के बाद आराध्या ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहाः 'मुझे एक दिन का बीएसए बनने का अवसर देकर मेरे आत्मविश्वास को नई उड़ान दी गई है। मैं मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी व जिलाधिकारी शैलेष कुमार सर की आभारी हूं। अब मेरा सपना है कि मैं आगे चलकर आईएएस , पीसीएस बनूं और देश की सेवा करूं।'

बाल सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम यह अभिनव प्रयास मिशन शक्ति फेज-5 के तहत बालिकाओं को नेतृत्व की भूमिका में लाने तथा उनमें सशक्त भविष्य की कल्पना को साकार करने हेतु एक प्रेरक कदम है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि हर बालिका में अपार संभावनाएं हैं, बस उन्हें मंच और अवसर दिए जाने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर बीएसए विकास चौधरी सहित स्टाफ, शिक्षा विभाग के अधिकारी, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे और बालिका आराध्या के इस प्रयास की सराहना की।

'अन्तः राज्यीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम' के तहत प्रगतिशील कृषकों को डीएम ने दिखाई हरी झंडी

कृषि में आधुनिक तकनीकों और नवाचारों का समावेश ही भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है-जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय कृषि विस्तार सुधार परियोजना/आत्मा योजना के अन्तर्गत आज भदोही जनपद से 02 आरक्षित बसों में लगभग 100 प्रगतिशील कृषकों को 5 दिवसीय अन्तः राज्यीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम के लिए रवाना किया गया। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने हरी झंडी दिखाकर भ्रमण दल को कलेक्ट्रेट से रवाना किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग, भदोही द्वारा सहयोगी संस्था सदाचार समिति के साथ मिलकर किया गया है। भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 25 से 29 सितंबर 2025 तक आयोजित किया गया है, जिसमें कृषकों को अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों और केन्द्रों के भ्रमण का अवसर मिलेगा।

उपनिदेशक कृषि डॉ अश्वनी सिंह ने बताया किभ्रमण के प्रमुख गंतव्यः सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (एर्प्लैऊए), प्रयागराज, कृषि विज्ञान केंद्र, केनोरा, सुल्तानपुर, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या है। इस एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकों, फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण, जैविक खेती एवं मूल्य संवर्धन के क्षेत्रों में प्रशिक्षित करना है, जिससे वे अपने ज्ञान में वृद्धि कर खेती को और अधिक लाभकारी बना सकें।

इस अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने अपने कहा कि 'आज का किसान केवल परंपरागत खेती तक सीमित नहीं रह सकता। कृषि में आधुनिक तकनीकों और नवाचारों का समावेश ही भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। इस प्रकार के भ्रमण कार्यक्रम किसानों को व्यावहारिक ज्ञान से लैस करते हैं और उन्हें खेती के नए मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।' उन्होंने कृषकों से यह अपेक्षा भी जताई कि वे भ्रमण से लौटकर यहां के अन्य कृषकों को भी आधुनिक खेती हेतु प्रेरित व प्रोत्साहित करेंगे।

शासन के निर्देश पर सीता समाहित स्थल सीतामढ़ी में दुर्गा सप्तशती पाठ का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन के निर्देश पर संस्कृति निदेशालय उ0प्र0 के द्वारा जारी शासनादेश के क्रम में जिलाधिकारी शैलेष कुमार के मार्ग दर्शन में शारदीय नवरात्र पर्व के दौरान जनपद का प्रसिद्ध देवी शक्तिपीठ स्थल मंदिर सीता समाहित स्थल सीतामढ़ी पर दुर्गा सप्तशती पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कलाकारों द्वारा दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जा रहा हैं। मिशन शक्ति 5.0 के तहत देवी मन्दिरों में दुर्गा सप्तशती का पाठ का उद्देश्य नारी शक्ति को बढ़ावा देना एवं आस्था और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा व सुरक्षा, सम्मान व स्वाबलम्बन बनाना है। इस अवसर पर जनपद के कई प्रशासनिक अधिकारी, सीतामढ़ी के स्थानीय लोग व मां का दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु उपस्थित रहें।

सुरियावाँ के रामलीला में जनकपुरी में श्रीराम ने तोड़ा शिव धनुष, परशुराम का क्रोध शांत

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावाँ में चल रहे श्री रामलीला समिति द्वारा चौथे दिन धनुष यज्ञ का भव्य मंचन किया गया। कार्यक्रम में रावण-बाणासुर संवाद और परशुराम-लक्ष्मण संवाद के दृश्य प्रस्तुत किए गए, मंचन में दिखाया गया कि अहिल्या उद्धार के बाद श्रीराम, लक्ष्मण और ऋषि विश्वामित्र गंगा तट से होते हुए जनकपुरी पहुंचे।

वहां राजा जनक ने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा कि सभी राज्यों के राजा धनुष नहीं उठा पाए। उन्होंने कहा -'हे द्वीप-द्वीप के राजागण, हम किसे कहें बलशाली हैं, मुझको तो यह विश्वास हुआ, पृथ्वी वीरों से खाली है।, राजा जनक की पीड़ा देख श्रीराम ने गुरु विश्वामित्र से धनुष भंग करने की अनुमति मांगी। गुरु ने आज्ञा दी - 'उठहु राम भंजहु भवचापा, मेटहु तात जनक परितापा'। श्रीराम ने तत्काल धनुष भंग कर सीता का वरण किया। इस पर रामलीला पंडाल श्रीराम-जानकी के जयकारों से गूंज उठा।धनुष भंग की घटना से परशुराम की तपस्या भंग हुई। वे क्रोधित होकर जनकपुरी पहुंचे और लक्ष्मण से उनका संवाद हुआ। जब उन्हें ज्ञात हुआ कि श्रीराम नर रूप में स्वयं नारायण हैं, तो उनका क्रोध शांत हो गया। स्वयंवर में रावण और बाणासुर भी उपस्थित थे। दोनों में युद्ध हुआ, लेकिन श्रीराम को नर रूप में नारायण जानकर दोनों आशीर्वाद देकर लौट गए, श्री रामलीला महोत्सव में अथिति के रूप में उपस्थित सुरियावा वार्ड नबर 5 के सभासद श्री सुमन यादव जी ने प्रभु श्री राम जी आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया और दीप प्रज्जवलित कर लीला का शुभारम्भ किया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित महामंत्री अवधेश उमर, अशोक जी, रमाकांत जी, नन्द लाल गुप्ता, महेंद्र जायसवाल छेदीलाल गुप्ता, अश्वनी साहू, लोकेश सेठ, वैभव, अभिनन्दन, आशुतोष आदि लोग उपस्थित रहे।

महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वाबलम्बन हेतु 90 दिवसीय मिशन शक्ति 5 के प्रभावी क्रियान्वयन बैठक संपन्न

कुल 15 विभाग समन्वय व सहयोग से मिशन शक्ति के पांचवें चरण को बनाएंगे सफल

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन में जिला विकास अधिकारी ज्ञान प्रकाश की अध्यक्षता में विकास भवन में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलम्बन हेतु शारदीय नवरात्र पर्व पर 22 सितम्बर 2025 से 90 दिवसीय मिशन शक्ति अभियान के पांचवे चरण के प्रभावी क्रियान्वयन संबंध में समीक्षा की गई। समीक्षा में मा0 मुख्यमंत्री जी निर्देशो के अनुपालन में शुभारम्भ कार्यक्रम, साइक्लोथान मेगा इंवेट, सार्वजनिक स्थलों पर जन जागरूकता, सोशल मीडिया कैम्पेन, नुक्कड़ नाटक, कन्या पूजन, ड्राविंग माई ड्रीम मेगा इंवेट, पर्सनल सेफ्टी अवेयरनेस, सेल्फ डिफेंस कार्यशाला, एक दिन की जिलाधिकारी बालिकाओं तथा महिलाओं द्वारा सांकेतिक भूमिका निवर्हन कार्यक्रम, कन्या जन्मोत्सव, बाल विवाह को न, चैम्पियंश का सम्मान, व्यक्तिगत स्वच्छता संवाद, शक्ति संवाद, पार्टनर फार इम्पावरमेंट आफ वुमेन एण्ड चिल्ड्रेन, जागरूकता चैपाल, अनंता प्रेरक महिला तथा बालिका की पहचान व सम्मान, हक की बात जिलाधिकारी के साथ, ग्राम बाल कल्याण संरक्षण समिति की बैठक, आपरेशन मुक्ति, स्वालम्बन कैम्प, कार्य स्थल पर महिला के साथ लैंगिंग उत्पीड़न अधिनियम-2013 पर अभिमुखीकरण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर, टाक् शो विथ आइडल्स के सम्बंध में बिन्दुवार विस्तृत समीक्षा कर सम्बन्धित अधिकारियों को डीडीओ ने आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

मिशन शक्ति के पांचवें चरण के सफल क्रियान्वयन हेतु कुल 15 विभागों बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण , ग्राम विकास, पंचायती राज, नगर विकास , युवा कल्याण, राजस्व, महिला कल्याण , संस्कृति, सूचना एवं जनसंपर्क, औद्योगिक विकास , परिवहन एवं न्याय विभाग को निर्धारित कार्यक्रमों को कराने का उत्तरदायित्व सौपा गया है।

बैठक में उपायुक्त मनरेगा राजाराम, पीडी डीआरडीए आदित्य कुमार , एआरटीओ राम सिंह, जिला सूचना अधिकारी डॉ.पंकज कुमार, बीएसए विकास चौधरी, जिला प्रोबेशन अधिकारी शत्रुघ्न कनौजिया, जिला युवा कल्याण अधिकारी दिनेश त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

जागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर और जागरूकता संगोष्ठी का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी उत्तर प्रदेश राज्य शाखा के निर्देशानुसार जागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी भदोही शाखा द्वारा जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज ज्ञानपुर में स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर और स्वास्थ्य जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर में 225 छात्राओं के स्वास्थ्य की विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच की गई और उन्हें रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से मुफ़्त दवा दी गई । छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच के बाद स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई। संगोष्ठी में रेड क्रॉस सोसाइटी भदोही के सचिव डॉक्टर भारतेंदु द्विवेदी ने सभी का स्वागत किया और प्रदेश शाखा के निर्देशानुसार चलाए जा रहे कार्यक्रमों से अवगत कराया। डॉक्टर नीलिमा धवन ने छात्राओं को स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। छात्राओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कुछ छात्राओं में खून की कमी और अनियमित माहवारी तथा ल्यूकोरिया जैसी समस्याएं पाई गई। इसके लिए डॉ धवन ने छात्राओं को आवश्यक निर्देश दिए । डॉ पी के सिंह ने छात्राओं के नेत्रों की जांच की और छात्रों को नियमित आंखों की जांच करने के लिए कहा। छात्रों में नियमित आंखों की जांच न करने से सिर दर्द जैसी समस्याएं पाई गई। दांत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर स्वप्निल ने कहा कि दांतों की सुरक्षा के लिए और अधिक जागरूकता की आवश्यकता है। दिन में दो बार ब्रश करना आवश्यक है । डॉक्टर स्वप्निल ने ब्रश करने के तरीका भी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर केपी मिश्रा ने कहा कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है यदि हम स्वस्थ हैं तो हम हर कदम पर आगे बढ़ सकते हैं । आपने जंक फूड से दूर रहने और पोषण युक्त आहार ग्रहण करने का तथा जीवन में योग और प्राणायाम को अपनाने का भी निर्देश दिया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी भदोही द्वारा जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज ज्ञानपुर को एक फर्स्ट एड बॉक्स दवा युक्त प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर नीलिमा धवन डॉक्टर पीके सिंह , डॉक्टर लक्ष्मी सिंह , डॉक्टर स्वप्निल सिंह डॉक्टर घनश्याम आदि ने छात्रों के स्वास्थ्य का परीक्षण और उपचार किया इस अवसर पर रेड क्रॉस के सदस्य एम आई खान, अरविंद भट्टाचार्य , सरफराज आलम, अभय श्रीवास्तव , सलेहा खान , आसिफ , डॉक्टर आलोक कुमार , डॉ केपी मिश्रा आदि उपस्थित थे । विद्यालय परिवार की ओर से प्रधानाचार्य श्रीमती मधुश्री ने तथा रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से कोषाध्यक्ष श्री हरेंद्र प्रताप सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

दुर्गा पूजनोत्सव में आयोजित झांकी कार्यक्रम में उमड़ा जन सैलाव

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शारदीय नवरात्र के मौके पर पुरवां गांव में आयोजित दुर्गा पूजनोत्सव समारोह में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं। जहां पर भारी संख्या में मां दुर्गा पूजन करने के लिए भक्तों की भीड़ भी उमड़ रही है। ग्रुरुवार की रात आयोजित भव्य झांकी कार्यक्रम में कलाकारों के अभिनय ने लोगों का मन मोह लिया। दुर्गा पूजनोत्सव में झांकी के दौरान भगवान शंकर के शिव तांडव पर नृत्य और राधा कृष्ण के फूलों की होली काफ़ी लोगों को पसंद आई। फूलो के होली के दौरान कलाकारों के साथ साथ महिला, पुरुष और बच्चों ने भी जमकर फूलों की होली खेली। इस मौके पर अतुल श्रीवास्तव, दिनकर गुप्ता, श्रीराम विश्वकर्मा, प्रमोद श्रीवास्तव, तहसीलदार गुप्ता, अजीत यादव, धीरज सिंह, संतलाल, सभजीत यादव, अमित श्रीवास्तव, अर्जुन कन्नौजिया और शिवम विश्वकर्मा समेत भाटी संख्या में लोग मौजूद रहे।

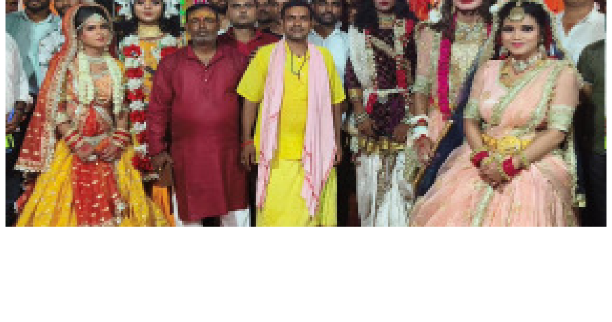

मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत महिला उत्थान पर औराई विकासखंड सभागार में हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार, विकसित भारत का आधार' एवं आठवां राष्ट्रीय पोषण मांह कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड औराई के सभागार में एक विशेष सोशल मीडिया कैंपेन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा. सदस्य श्रीमती नीलम प्रभात द्वारा की गई।

इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण और लैंगिक समानता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद स्थापित किया गया। मा. सदस्य श्रीमती नीलम प्रभात ने अपने संबोधन में बताया कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता आज की सबसे बड़ी सामाजिक आवश्यकता है, और इसके लिए सोशल मीडिया जैसे प्रभावशाली माध्यमों का जागरूकता के लिए प्रयोग किया जाना बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने राज्य और जनपद स्तर पर महिलाओं और बच्चों से जुड़े विभिन्न सामाजिक संकेतकों की जानकारी साझा की, जिनमें शामिल हैंः

लिंगानुपात, जन्म और मृत्यु दर, बाल विवाह की घटनाएं , स्कूल ड्रॉपआउट दर, लैंगिक शोषण की प्रवृत्ति, संस्थागत प्रसव की स्थिति, महिला साक्षरता दर, महिलाओं और बच्चों के प्रति हिंसा के आंकड़े। उन्होंने इन सकेंतकों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए इनकी सुधारात्मक दिशा में जन-जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। विशेष रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि के माध्यम से सकारात्मक संदेशों, अभियानों और कहानियों के प्रचार-प्रसार को लेकर जागरूक किया गया। नीलम प्रभात द्वारा यह भी बताया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए अनेक योजनाएं और अभियान चलाए जा रहे हैं। इन योजनाओं की जानकारी हर नागरिक तक पहुंचाना हम सभी का उत्तरदायित्व है।

राज्य महिला आयोग के सदस्य श्रीमती नीलम प्रभात जी के आगमन पर हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ़ वीमेन की टीम से 'डीएमसी रेशमा भारती, जेंडर स्पेशलिस्ट प्रियंका गुप्ता' द्वारा बच्चियों को महवारी के दौरान स्वच्छता बरतने और पैड के नष्टीकरण के तरीके बताए गए।

इसके साथ.साथ बालिकाओं को मिशन शक्ति कैंपेन के साथ जागरूक किया गया। नीलम प्रभात द्वारा बच्चियों को नारी स्वालंबन के उदाहरण देते हुए बालिकाओं को स्वावलंबी बनने हेतु जागरूक किया गया तथा सुरक्षा के उपाय और नारी अधिकार के बारे में भी जागरूक किया गया।

कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें सभागार परिसर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ लोगो के केक के साथ बच्चियों का जन्मोत्सव मनाया गया। तत्पश्चात बच्चियों को केक और प्रशस्ति पत्र तथा बेबी किट वितरित किए गए। सदस्य द्वारा जन्मी बच्चियों के परिजनों के साथ.साथ उपस्थित सभी लोगों को नारी शक्ति के तहत यह संदेश दिया की बेटी और बेटा में कोई अंतर नहीं है। बेटियों के लिए भारत सरकार और राज्य सरकार दोनों विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं और सुविधाएं प्रदान कर रही हैं। अतः आप सब योजनाओं का सदुपयोग करते हुए बच्चियों को उनका भविष्य स्वयं चुनने और उनको आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करें।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत उपस्थित जन सामान्य को पोषण माह के विभिन्न थीम-मोटापा निवारण-तेल, नमक एवं चीनी के प्रयोग में कमी लाने, प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल व पोषण भी पढ़ाई भी, पुरुष सहभागिता तथा अन्य विभिन्न विषयो पर प्रकाश डालते हुए महिला आयोग की सदस्य द्वारा देवी के नौ रूपों की महत्ता की चर्चा करते हुए जन सामान्य को जुड़ने का आहवान किया। कार्यकम में 05 महिलाओं की गोद भराई, 01 बालिका आरुषि का जन्मोत्सव मनाया गया। बालिकाएं जो देवी का रूप धारण कर कार्यक्रम में प्रतिभाग की उन्हें पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी शत्रुघ्न कनौजिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश मिश्रा, सम्मानित मीडिया बंधु सहित महिला कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधिगण, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, आशा बहुएं, महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं, छात्र-छात्राएं एवं सामाजिक संगठनों के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने 'नारी सशक्तिकरण के लिए सोशल मीडिया का जिम्मेदार उपयोग' विषय पर शपथ ली और समाज में जागरूकता फैलाने हेतु सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

पानी भरे रास्ते पर टूटकर गिरे हाईटेंशन तार से फैला करंट, चपेट में आने से दो सगी बहनों की दर्दनाक मौत

जेई और एसडीओ सस्पेंड; अधिकारियों की लापरवाही से हुआ हादसा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बलिया जिले के सुखपुरा क्षेत्र में बुधवार को स्कूल से घर लौट रही दो सगी बहनों की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत होने के मामले में बिजली विभाग के उप खंड अधिकारी और अवर अभियंता के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दोनों अधिकारियों को निलंबित करने के साथ अधिशासी अभियंता के विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है।

पुलिस ने बताया कि सुखपुरा थाना में बुधवार की रात्रि जीरा बस्ती गांव की सुनीता यादव की शिकायत पर बुधवार को बिजली विभाग के उप खंड अधिकारी अनिल राम और अवर अभियंता आशुतोष पांडेय के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 में नामजद मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने दर्ज मामले का हवाला देते हुए बताया कि सुनीता यादव नामक महिला ने शिकायत की है कि उनकी बेटियां कक्षा नौ की छात्रा आंचल यादव (15) और कक्षा छह की छात्रा अलका यादव (12) स्कूल से घर लौट रही थी कि उप खंड अधिकारी अनिल राम और अवर अभियंता आशुतोष पांडेय की घोर लापरवाही के कारण बिजली के टूटे हुए तार से उतरे करंट की चपेट में आने से दोनों बच्चियों की मौत हो गयी।

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने बिजली विभाग के दोनों आरोपी अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया कि सेंट जेवियर्स स्कूल की दोनों छात्राएं बस से उतरकर घर जा रही थीं। रास्ते में जलजमाव था और बिजली का तार टूटकर वहीं गिरा हुआ था, जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। रास्ते से गुजरते हुए दोनों छात्राएं करंट की चपेट में आ गईं। दोनों को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उधर, ऊर्जा मंत्री अरविंद शर्मा के निर्देश पर बिजली विभाग के उप खंड अधिकारी अनिल राम और अवर अभियंता आशुतोष पांडेय को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही अधिशासी अभियंता नरेंद्र कुमार के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। ऊर्जा मंत्री ने 'एक्स' पर कहा, ''बलिया के जीराबस्ती क्षेत्र में तुला ब्रम्ह बाबा स्थान के पास बिजली का तार टूट कर पानी में गिरने के कारण उसके करंट से दो बच्चियों (सगी बहनों) की मृत्यु हो गई। यह दुर्घटना अत्यंत दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे और परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति दे।''

उन्होंने कहा, ''घटना की जानकारी मिलते ही मैंने प्रबंध निदेशक, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम से बात की और परिवार जनों को हर संभव मदद करने को कहा। लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया। जूनियर इंजीनियर आशुतोष पांडे तथा एसडीओ अनिल कुमार को निलंबित किया गया है। साथ ही अधिशासी अभियंता नरेंद्र कुमार के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए सबको सख्त निर्देश दिए हैं।'' जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि छात्राओं के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि देने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने हादसे को बेहद दुखद बताया और कहा कि दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

'मैं बहुत डरा हूं कार्रवाई नहीं हुई तो सुसाइड कर लूंगा'

वीडियो बनाकर आईआईटी की तैयारी कर रहे छात्र ने पुलिस से मांगी मदद

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कानपुर में आईआईटी की तैयारी कर रहे छात्र ने वीडियो जारी कर पुलिस से यह गुहार लगाई है। उसको कुछ दबंग लोग उसका पीछा करते हैं, जान से मारने की धमकी देते हैं, गाली गलौज करते हैं, युवक ने बताया कि मेरा घर से निकलना भी दुर्लभ कर दिया है उसने वीडियो बनाकर पुलिस से दबंगो पर कार्रवाई की मांग की है। मामला सामने आने के बाद रावतपुर पुलिस जांच में जुट गई है। वीडियो में छात्र ने आरोप लगाया है कि इलाके का एक हिस्ट्रीशीटर उससे रंगदारी की मांग कर रहा है और मना करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है।

फतेहपुर के खागा निवासी वीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ आर्यन कानपुर काकादेव में किराए पर रहता है। वह काकादेव स्थित वंशी वसुंधरा अपार्टमेंट में रहकर आईआईटी की तैयारी कर रहा है। उसने वीडियो में बताया कि एक हिस्ट्रीशीटर लगातार उसे रंगदारी के लिए धमका रहा है। पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी मिल रही है।

छात्र के अनुसार, दबंग देर रात 6-7 गाड़ियों में सवार होकर अपार्टमेंट के बाहर आ जाते हैं और तमंचा लहराते हैं। इससे वह डरा-सहमा हुआ है और बाहर निकलने से भी घबरा रहा है। उसने बताया कि इससे उसकी पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है और मानसिक रूप से वह टूट चुका है। छात्र ने रावतपुर थाने और पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शिकायत की थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उसने अपने साथ किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए आरोपियों को जिम्मेदार ठहराया है।

पुलिसकर्मियों पर फिर गिरी गाज!

एक साथ 16 पुलिसकर्मी सस्पेंड

इंस्पेक्टर और दारोगा भी लिस्ट में शामिल

एसएसपी के एक्शन से महकमे में हड़कंप

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सहारनपुर में एसएसपी आशीष तिवारी ने लापरवाह पुलिसकर्मियों पर सख्त एक्शन लेते हुए एक साथ 16 पुलिसवालों को निलंबित कर दिया है। ये सभी पुलिसकर्मी नवरात्र और शाकुंभरी देवी मेले के दौरान बिना सूचना के ड्यूटी से नदारद थे। जिसे गंभीर लापरवाही मानते हुए यह कार्रवाई की गई। एसएसपी के इस एक्शन से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एसएसपी द्वारा जारी निलंबन आदेश में निरीक्षक संजय कुमार, उपनिरीक्षक रामेंद्र सिंह और महिला उपनिरीक्षक मनबीरी सिंह का नाम शामिल है। इसके अलावा मुख्य आरक्षी प्रदीप कुमार, अरुण सोलंकी और भोपाल सिंह को भी सस्पेंड किया गया है। वहीं आरक्षी रवींद्र कुमार, रोबिन कुमार, मुनीश कुमार और महिला मुख्य आरक्षी निर्मला भी निलंबन की इस लिस्ट में शामिल हैं। इसके साथ-साथ रिक्रूट आरक्षी दीपक कुमार, धनंजय सरकार, अशोक कुमार, योगेन्द्र सिंह, हरिओम सिंह और भोपाल सिंह को भी अनुशासनहीनता के चलते निलंबित किया गया है। एसएसपी आशीष तिवारी ने स्पष्ट कहा कि त्योहार या भीड़भाड़ के समय ड्यूटी से गायब रहना अपराध है और जनता की सुरक्षा से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस सख्त कदम के बाद यह संदेश गया है कि ड्यूटी के दौरान अनुशासनहीनता किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

'भगवा लव ट्रैप' की घिनौनी साजिश!

अपनों को भी नहीं बख्शा, मुस्लिम लड़कियों की गंदी फोटो-वीडियो शेयर करता था 'फिरोज'

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मेरठ जिले से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बार फिर 'भगवा लव ट्रैप' के नाम से संप्रादायिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया। हालांकि, मेरठ पुलिस ने सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने वाली इस साजिश का पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली एक मुस्लिम छात्रा की 28 अप्रैल को शिकायत पर कार्रवाई की गई। छात्रा ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी ने उसकी और उसके सहपाठी की फोटो को सोशल मीडिया पर अपलोड कर 'भगवा लव ट्रैप' के नाम से आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणियां की हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी ने इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर इस तरह की कई पोस्ट 28 मई, 16 जून, 22 जून और 30 जून को भी डाली थीं। इन पोस्ट में दावा किया गया कि कथित रूप से हिंदू धर्म अपनाने वाली कुछ लड़कियों की वापसी मुस्लिम धर्म में कराई जाएगी और इसे 'भगवा लव ट्रैप' के रूप में प्रचारित किया गया। जिसके बाद मेरठ पुलिस तुरंत एक्शन में आई और छात्रा की शिकायत पर भगवा लव ट्रैप के नाम से अफवाहें फैलाने वाले आरोपी अलीगढ़ निवासी फिरोज को बिहार से गिरफ्तार कर लिया। यह पोस्ट छात्रा की छवि को नुकसान पहुंचाने और समाज में तनाव फैलाने के उद्देश्य से की गई थी।

पूछताछ में फिरोज ने बताया कि इस प्रकरण में मेरठ के कुछ अन्य लोग भी शामिल हैं। जिनके नाम आरोपी ने पुलिस को बताए। पुलिस उनकी भी गहन जांच कर रही है। मेरठ के एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि आरोपी युवकों द्वारा राह चलते युवतियों के वीडियो और फोटो लेकर फर्जी आईडी बनाकर आपत्तिजनक पोस्ट करना एक गंभीर मामला है। साइबर सेल और पुलिस टीम मिलकर पूरी जांच कर रही है। जल्द ही मामले में शामिल अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

महाराष्ट्र का शांतिपूर्ण माहौल खराब न करें : नितेश राणे

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने नवरात्रि उत्सव के बीच राज्य के शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने को लेकर आगाह किया है। राणे ने बुधवार को मुंबई के मानखुर्द इलाके में सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित एक दुर्गा पंडाल के दौरे में कहा कि त्योहार के समय किसी को भी हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि रविवार रात मानखुर्द में देवी दुर्गा की मूर्ति को कथित तौर पर अपवित्र किए जाने के बाद तनाव बढ़ गया, जिसके कारण दो समूहों के बीच झड़प हो गई। राणे ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति एक हिंदुत्ववादी सरकार है, जो हिंदू वोटों के समर्थन से चुनी गई है, और जो लोग गोल टोपी पहनते हैं, उन्होंने इसे वोट नहीं दिया। भाजपा नेता ने राज्य का शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने के खिलाफ आगाह करते हुए कहा, आप अपने त्योहार शांतिपूर्वक मनाएं, हम अपने त्योहार मनाएंगे। हमारी तरफ आंख उठाकर मत देखिए।

मंत्री ने कहा, हम मुंबई का माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर किसी को त्योहार मनाने के लिए अनुमति चाहिए तो उन्हें सरकार से संपर्क करना चाहिए और तुरंत अनुमति दे दी जाएगी। राणे ने कार्यक्रम के दौरान महाआरती में भाग लिया।

मंत्री ने सोमवार को दावा किया कि नवरात्रि के दौरान गरबा कार्यक्रम लव जिहाद के केंद्र बन रहे हैं। उन्होंने विश्व हिंदू परिषद के उस परामर्श का समर्थन किया जिसमें ऐसे कार्यक्रमों के आयोजकों से प्रतिभागियों के पहचान दस्तावेजों की पूरी तरह से जांच करने को कहा गया है।

उन्होंने जख्म दिए हमने मरहम लगाया राजस्थान की धरा से पीएम मोदी ने दी बड़ी सौगातें

बांसवाड़ा **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के बांसवाड़ा में विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान की धरती से आज बिजली क्षेत्र में भारत के सामर्थ्य का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। आज राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं। यह दिखाता है कि आज देश बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, और इस रफ्तार में देश का हर हिस्सा शामिल है। हर राज्य को प्राथमिकता दी जा रही है। 2014 में हमारी सरकार ने इन हालातों को बदलने का संकल्प लिया और हमने देश के हर गांव तक बिजली पहुंचाई। हमने 2.5 करोड़ घरों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया, और जहां-जहां तार पहुंचे, वहां बिजली भी पहुंची। इससे लोगों की जिंदगी आसान हुई और नए-नए उद्योग भी स्थापित हुए।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने बिजली के महत्व पर ध्यान ही नहीं दिया। जब 2014 में आपने मुझे सेवा का अवसर दिया और जब मैंने दायित्व संभाला, तब भारत के 2.5 करोड़ घर ऐसे थे जहाँ बिजली का कनेक्शन नहीं था। आजादी के 70 साल बाद भी देश के 18, 000 गांवों में बिजली के खंभे तक नहीं लगे थे। देश के बड़े-बड़े शहरों में घंटों तक बिजली कटौती होती थी, और गांवों में तो 4–5 घंटे बिजली आ जाए, यह बड़ी बात मानी जाती थी। 21वीं सदी में जिस देश को तेजी से विकास करना है, उसे अपने यहां बिजली उत्पादन बढ़ाना ही होगा। इसमें सबसे सफल वही देश होंगे, जो स्वच्छ ऊर्जा में आगे रहेंगे। इसलिए हमारी सरकार स्वच्छ ऊर्जा के अभियान को जनआंदोलन बनाकर आगे बढ़ा रही है।

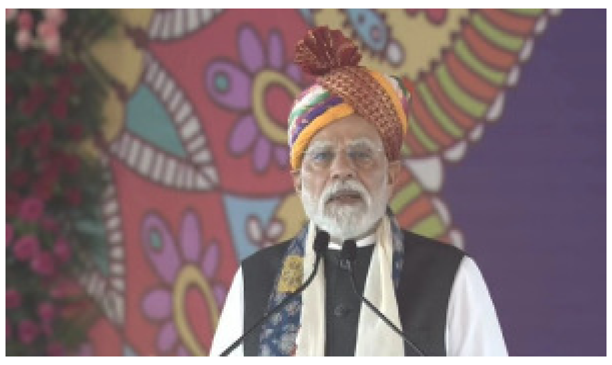

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार में राजस्थान पेपर लीक का केंद्र बन गया था, जल जीवन मिशन को भी कांग्रेस ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया था, महिलाओं पर अत्याचार चरम पर था, और बलात्कारियों को संरक्षण दिया जा रहा था। कांग्रेस सरकार में बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ जैसी जगहों पर अपराध और अवैध शराब का कारोबार खूब पनपा। जब आपने भाजपा को मौका दिया, तब हमने कानून व्यवस्था को मजबूत किया और विकास परियोजनाओं में तेजी लाई। आज भाजपा सरकार राजस्थान को तेज विकास की राह पर आगे बढ़ा रही है। 2017 में हमने जीएसटी लागू कर देश को टैक्स और टोल के जंजाल से मुक्ति दिलाई।

पीएम मोदी ने कहा कि आज से 11 साल पहले, कांग्रेस के समय हालात कितने खराब थे, क्योंकि कांग्रेस सरकार देशवासियों का शोषण करने में लगी हुई थी। कांग्रेस सरकार देश के लोगों को ही लूट रही थी। कांग्रेस के समय में टैक्स और महंगाई दोनों आसमान पर थे। जब आपने मोदी को आशीर्वाद दिया, तब हमने कांग्रेस की लूट को बंद किया। हमारा एक और लक्ष्य है – आत्मनिर्भर भारत। हम किसी और पर निर्भर न रहें, यह बहुत आवश्यक है। इसका रास्ता स्वदेशी के मंत्र से जाता है, और इसलिए हमें स्वदेशी के मंत्र को कभी नहीं भूलना चाहिए। मैं आप सभी से आग्रह करूंगा, खासकर देश के दुकानदारों से, कि हम जो बेचेंगे वह स्वदेशी ही हो। मैं देशवासियों से भी आग्रह करूंगा कि हम जो खरीदेंगे वह भी स्वदेशी ही हो।

एमपी में अजीब लव स्टोरी : भाभी संग भाग गई ननद, पति ने पुलिस से लगाई गुहार

दोनों की आपत्तिजनक चैट देख पुलिस के भी उड़े होश

जबलपुर **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के रहने वाले आशुतोष बंसल जब पुलिस स्टेशन के दरवाज़े पर पहुँचा, तो उसकी आवाज़ में बेचैनी साफ़ थी – उसकी पत्नी संध्या बीते 22 अगस्त से गायब है। मगर इस मामले ने एक और उलझी परत खोल दीः आशुतोष के मुताबिक़, उसकी पत्नी और उसी की मामा की बेटी – मानसी – के बीच गुप्त नज़दीकियाँ चल रही थीं। आशुतोष ने पुलिस को वह व्हाट्सएप चैट सौंप दी है जिसमें दोनों महिलाओं की बातचीत के कई ऐसे अंश हैं जिन्होंने उसे हक्का-बक्का कर दिया। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि संध्या और मानसी ने मिलकर कहीं साथ रहने की योजना बनाई थी।

आशुतोष, जो अमरपाटन जिला के अमरपाटन कस्बे से हैं, ने बताया कि उनकी शादी संध्या से सात साल पहले हुई थी। उनका एक पाँच साल का बेटा भी है। शुरू में दम्पति अमरपाटन में रहे, लेकिन पढ़ाई के लिए संध्या के साथ वह जबलपुर आ गया और शीतला माई में किराये के मकान में रहने लगे। उसी बीच मानसी अक्सर घर आने लगी और धीरे-धीरे मानसी व संध्या की नज़दीकियाँ बढ़ने लगीं – घूमना-फिरना एक साथ, लगातार चैटिंग और बातचीत। आशुतोष का कहना है कि शुरुआत में उसे कुछ भी अंदेशा नहीं हुआ।

बात तब गंभीर हुई जब 13 अगस्त को संध्या पहली बार अचानक घर छोड़ कर चली गई थी। आशुतोष ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो संध्या को जबलपुर के रांझी की ओर जाते हुए देखा। आशुतोष ने शक किया कि शायद वह मानसी के घर गई होगी, पर वहाँ भी संध्या नहीं मिली। बाद में रेलवे स्टेशन पर संध्या मिल गई – पर उसने बताना छोड़ दिया और कह दिया कि वह अब जबलपुर में नहीं रहना चाहती, उसे अमरपाटन ले चलो। आशुतोष अपने बेटे व पत्नी के साथ अमरपाटन लौट आया। पर तभी 22 अगस्त को संध्या फिर से बिना बताए लापता हो गई। आशुतोष ने जबलपुर और मैहर पुलिस को लिखित शिकायत दी है और व्हाट्सएप चैट की कॉपी भी थमाई – बावजूद इसके अब तक संध्या का कोई सुराग नहीं मिला। दिलचस्प स्थिति यह है कि वही मानसी, जिसके बारे में आशुतोष ने आरोप लगाए थे, घर वापस लौट आई है।

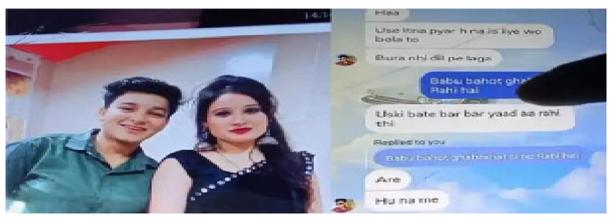

अपनी जवान बहन को चौराहों पर 'चुंबन' करते हैं, विजयवर्गीय का राहुल गांधी पर विवादित बयान

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का नाम लिए बिना विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने आज शाजापुर जिले में 'प्रतिपक्ष के नेता' पर निशाना साधते हुए कहा कि पुराने जमाने के लोग अपनी बहन के गांव का पानी भी नहीं पीते थे और आज के प्रतिपक्ष के नेता अपनी जवान बहन को चौराहों पर 'चुंबन' करते हैं। उनके इस बयान के बाद सियासी घमासान मचा हुआ है। संसदीय कार्य मंत्री विजयवर्गीय शाजापुर में सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मंच पर उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और विधायक अरुण भीमावाद भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हम पुरानी संस्कृति के लोग हैं। हमारे पुराने लोग अपनी बहनों के घरों के गांवों का पानी तक भी नहीं पीते थे। इसी क्रम में उन्होंने पुरानी संस्कृति से जुड़े लोगों के संदर्भ में कहा, ''अपनी बहन के गांव में पानी भी नहीं पीते थे। आज के हमारे प्रतिपक्ष के नेता ऐसे हैं, कि अपनी जवान बहन को बिल्कुल चौराहे पर चुंबन कर लेते हैं।''

विजयवर्गीय ने कहा कि ये संस्कारों का अभाव है। ये संस्कार विदेश की संस्कृति के हैं, भारत चलेगा तो हमारे देश की संस्कृति और संस्कारों से चलेगा। समझा जा रहा है कि उन्होंने ये बयान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी के संदर्भ में दिया है। दरअसल विजयगर्वीय अपने पिताजी के संदर्भ में बात कर रहे थे। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि उनके पिताजी अपनी बहन के घर का पानी तक नहीं पीते थे। जब पिताजी गांव जाते थे तो घर से पानी का लोटा लेकर जाते थे।

पीली मटर के आयात पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर न्यायालय ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उच्चतम न्यायालय ने पीली मटर के आयात पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर बृहस्पतिवार को केंद्र से जवाब मांगा। याचिका में तर्क दिया गया है कि पीली मटर की आपूर्ति से दाल उत्पादक किसानों की आजीविका प्रभावित हो रही है। पीली मटर को दालों का विकल्प माना जाता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने 'किसान महापंचायत' द्वारा दायर जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया और किसान संगठन की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण से कहा कि वह पता लगाएं कि क्या देश में दालों का पर्याप्त उत्पादन है।

पीठ ने कहा, ''हम नोटिस जारी करना चाहते हैं लेकिन इसका परिणाम यह नहीं होना चाहिए कि अंतिम उपभोक्ता को परेशानी हो।'' भूषण ने कहा कि 35 रुपए प्रति किलोग्राम की सस्ती कीमत पर पीली मटर का आयात तुअर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल जैसी दालें उगाने वाले किसानों को प्रभावित कर रहा है जिन्हें 85 रुपये प्रति किलोग्राम का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मिलता है। उन्होंने कहा, ''सरकार सहित विशेषज्ञ निकायों से कई रिपोर्ट मिली हैं जिनमें सरकार से पीली मटर का आयात न करने को कहा गया है क्योंकि इससे बड़े पैमाने पर भारतीय किसान प्रभावित होंगे।'' उन्होंने कहा कि पीली मटर का अप्रतिबंधित और सस्ता आयात बंद किया जाना चाहिए। भूषण ने कहा कि कृषि मंत्रालय और नीति आयोग ने भी पीली मटर के आयात के खिलाफ राय दी है और दालों का स्थानीय उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया है।

पीठ ने भूषण से कहा, ''आप पीली मटर के आयात की अनुमति नहीं देते और फिर बाजार में इसकी कमी हो जाती है। हमें इससे बचना होगा। आपने उल्लेख किया है कि कुछ देशों में पीली मटर का उपयोग मवेशियों के चारे के रूप में किया जाता है। क्या आपने इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच की है?'' भूषण ने जवाब दिया कि पीली मटर खाने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और यह एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा, ''बड़ी संख्या में किसानों की जान जा रही है और वह आत्महत्या कर रहे हैं।''

एशिया कप 2025 : भारतीय क्रिकेट को मिला नया 'सिक्सर किंग'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सिर्फ 21 टी20 मुकाबलों में ही अभिषेक शर्मा ने ऐसा तूफ़ानी खेल दिखाया है कि वह भारतीय क्रिकेट के नए 'सिक्सर किंग' बनकर उभरे हैं। बाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने अब तक 58 छक्के उड़ाए हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर पहुंच चुके हैं।

जुलाई 2024 में टी20 डेब्यू करने वाले अभिषेक ने बहुत कम समय में धाक जमा दी। उनके बाद केवल ऑस्ट्रिया के करणबीर सिंह (99) और यूएई के मुहम्मद वसीम (60) ही उनसे आगे हैं। भारत के लिए वह पहले ही टी20 में सबसे ज़्यादा छक्के लगाने वालों में टॉप-10 में जगह बना चुके हैं।

अभिषेक हर 6.83 गेंद पर एक छक्का लगाते हैं, यह औसत उन 153 बल्लेबाज़ों में दूसरा सबसे अच्छा है जिन्होंने कम से कम 50 छक्के लगाए हों। फुल-मेंबर देशों के खिलाड़ियों में वह पहले स्थान पर हैं, जहां उनके पीछे वेस्टइंडीज़ के आंद्रे रसेल (7.21) आते हैं।

अभिषेक हर पारी में औसतन 2.76 छक्के जड़ते हैं। यह आँकड़ा उन्हें इस फॉर्मेट में दुनिया के टॉप-2 में ले जाता है। करणबीर सिंह (3.14) उनसे आगे हैं, लेकिन अभिषेक का यह आंकड़ा एविन लुईस जैसे दिग्गजों से भी बेहतर है।

एशिया कप 2025 में बांग्लादेश के खिल़ाफ़ उन्होंने एक पारी में पाँच छक्के जड़कर अपनी ताक़त फिर साबित की। भारतीय खिलाड़ियों में सिर्फ रोहित शर्मा (13 बार) और सूर्यकुमार यादव (9 बार) ही अभिषेक से ज़्यादा बार एक मैच में पाँच या उससे ज़्यादा छक्के लगा पाए हैं।

अभिषेक ने पावरप्ले ओवरों (पहले छह) में 32 छक्के उड़ाए हैं, जो उन्हें शुरुआती ओवरों में सबसे विस्फोटक भारतीय बल्लेबाज़ बना देता है। वहीं बीच के ओवरों में उनके नाम 23 और डेथ ओवरों में 3 छक्के दर्ज हैं। खास बात यह है कि वह स्पिनरों के खिलाफ हर 6 गेंद पर एक छक्का लगाते हैं।

पंत, रोहित या गिल नहीं बल्कि अभिषेक ने टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज़ 50 छक्के पूरे करने का कारनामा कर दिखाया। उन्होंने यह मुकाम सिर्फ 331 गेंदों में हासिल किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड जिब्राल्टर के केरोन स्टैग्नो (335 गेंद) के नाम था। फुल-मेंबर देशों में एविन लुईस ने 366 गेंदों में यह उपलब्धि पाई थी।

एशिया कप, पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश

अहम मुकाबले से पहले बांग्लादेश की पाकिस्तान को चेतावनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एशिया कप 2025 में सभी की निगाहें बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच होने वाले सुपर-4 के अहम मुकाबले पर टिकी हैं। फाइनल में जगह बनाने के लिए बांग्लादेश के कार्यवाहक कप्तान जैकर अली ने आत्मविश्वास से भरपूर अंदाज में कहा कि उनकी टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को कम नहीं आंकती और अपनी मजबूतियों पर ध्यान केंद्रित करती है। जैकर अली ने इस रोमांचक मुकाबले से पहले कहा, 'हम किसी को भी हल्के में नहीं लेते। बल्कि अपनी ताकत और क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। दो बार पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के बाद ये अनुभव आगे चलकर निश्चित रूप से काम आएंगे।'

पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश का टी20 रिकॉर्ड चुनौतीपूर्ण रहा है, जहां उसने 25 मैचों में केवल 5 जीत हासिल की। तन्जिद हसन, शमीम हुसैन और तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान जैसे खिलाड़ी बांग्लादेश के लिए जीत का रास्ता बदलने में अहम भूमिका निभाएंगे। अनुभव और युवा जोश के मिश्रण के साथ जैकर अली की टीम पाकिस्तान की मजबूत लाइनअप को चुनौती देने के लिए तैयार होगी।

अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में सुपर-4 के अहम मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ पांच विकेट से जीत के बाद पाकिस्तान इस मुकाबले में लय के साथ उतरेगा। शाहीन अफरीदी, फखर जमान और हारिस रऊफ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से टीम का आत्मविश्वास और बढ़ेगा, जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान सलमान अली आगा आक्रामक बल्लेबाजों और विकेट लेने वाले गेंदबाजों के मिश्रण वाली एक संतुलित टीम तैयार करना चाहेंगे, क्योंकि उन्हें पता है कि फाइनल में जगह पक्की करने के लिए जीत बेहद जरूरी है।

संभावित प्लेइंग 11 - पाकिस्तानः सैमअयूब, साहबजादा फरहान, फखर जमां, सलमान आगा(कप्तान), हुसैन तलत, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, फहीम अशर, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ़, अबरार अहमद।

बांग्लादेशः सैफ हसन, तंज़ीद हसन तमीम, परवेज़ हुसैन इमोन, तौहीद हृदयोय, शमीम हुसैन, जेकर अली (कप्तान एवं विकेटकीपर), मोहम्मद सैफुद्दीन, रिशद हुसैन, तन्ज़ीम हसन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान।

भारत अपनी मजबूत आर्थिक बुनियाद से अनिश्चितता में भी जुझारू बना रहा : सीतारमण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत अपने मजबूत वृहद-आर्थिक बुनियादी पहलुओं के दम पर जुझारूपन दिखाने में सफल रहा है।

सीतारमण ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 91वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि पिछले एक वर्ष में वैश्विक माहौल में अनिश्चितता बढ़ी है और उसका असर विभिन्न देशों पर महसूस किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''लेकिन इन सबके बीच भारत की मजबूती अलग नजर आती है। मजबूत वृहद-आर्थिक बुनियाद, युवा जनसंख्या और घरेलू मांग पर अधिक निर्भरता भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य ताकत है।''

वित्त मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भी यह मजबूती बनी रही और इस अवधि में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही।

उन्होंने कहा, ''यह महज संयोग नहीं है। यह सक्रिय राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियों, साहसिक संरचनात्मक सुधारों, बड़े पैमाने पर भौतिक एवं डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण, बेहतर शासन और प्रतिस्पर्धा में वृद्धि का परिणाम है।''

इस मौके पर वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अधिक ऋण देने पर जोर दिया। उन्होंने बैंकों से शिक्षा ऋण को भी प्राथमिकता देने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षा ऋण का कोई भी आवेदन अस्वीकार नहीं होना चाहिए।

नागराजू ने बैंकों से कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में ऋण प्रवाह बढ़ाने का आग्रह किया। हालांकि इसके साथ उन्होंने कर्ज की गुणवत्ता को लेकर सतर्क रहने के लिए भी कहा।

जूनियर विश्व कप : महिला निशानेबाजों ने 50 मीटर राइफल प्रोन में किया क्लीन स्वीप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जूनियर महिला निशानेबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया तो वहीं पुरुषों ने इसी स्पर्धा में एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया जिससे देश ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में मजबूत शुरूआत की।

कजाखस्तान में एशियाई चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस का जूनियर स्वर्ण पदक जीतने वाली युवा अनुष्का ठोकुर ने डा. कर्णी सिंह रेंज में 621.6 अंक से पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस गैर ओलंपिक स्पर्धा में 18 साल की अंशिका ने 619.2 अंक से रजत पदक और 20 साल की आध्या अग्रवाल ने 615.9 अंक से कांस्य पदक जीता।

पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में दीपेंद्र सिंह शेखावत ने रजत पदक और रोहित कन्यान ने कांस्य पदक हासिल किया। दीपेंद्र ने 617.9 अंक जबकि रोहित ने 616.3 अंक बनाए। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट कामिल नुरियाखमेतोव ने 618.9 अंक बनाकर जीता। वहीं तीन अन्य भारतीय नितिन वाघमारे, कुशाग्र सिंह और कुणाल शर्मा क्रमशः पांचवें, आठवें और 11वें स्थान पर रहे।

साई सुदर्शन को प्रदर्शन के आधार पर नहीं मिला वेस्टइंडीज के खिलाफ मौका

अगरकर ने बताई असली वजह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने साफ कर दिया है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में साई सुदर्शन का चयन सिर्फ प्रदर्शन के आधार पर नहीं, बल्कि उनके भविष्य को ध्यान में रखकर किया गया है। अगरकर का मानना है कि साई ने अब तक जितना खेला है, उसमें उन्होंने भरोसा जगाया है और उन्हें लंबे समय तक मौके दिए जाने चाहिए।

अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास या अनुपस्थिति के बाद टीम को नई नींव की ज़रूरत है। ऐसे में साई जैसे युवाओं को सही नंबर पर लगातार मौके देकर उन्हें तैयार करना चयनकर्ताओं की प्राथमिकता है।

हालाँकि भारत इंग्लैंड में सीरीज़ जीत नहीं सका, लेकिन अगरकर का कहना है कि वहाँ कई युवा खिलाड़ियों ने जुझारूपन और क्लास दिखाई। साई भी उनमें से एक थे और उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। अगरकर के अनुसार, यही विश्वास अब उन्हें घरेलू सीरीज में जगह दिला रहा है।

करुण नायर के बाहर होने पर अगरकर ने स्पष्ट किया कि इंग्लैंड दौरे पर उनसे उम्मीदें ज़्यादा थीं, लेकिन वे निरंतरता नहीं दिखा सके। वहीं, देवदत्त पडिक्कल को मौका मिलने की वजह उनका हालिया प्रदर्शन और पिछला अनुभव रहा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ मौके मिलने पर उपयोगी पारियां खेलीं और इंडिया ए में भी अच्छा प्रदर्शन किया।

भारत और वेस्टइंडीज़ के बीच यह दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ 2 अक्टूबर से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू होगी। इस सीरीज़ में नज़रें साई सुदर्शन पर होंगी, जिनसे टीम को लंबे समय तक योगदान की उम्मीद है।

दो बार की विश्व कप विजेता अब संभालेंगी मुंबई इंडियंस की कमान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महिला क्रिकेट की दुनिया में जब अनुभव, जुनून और उपलब्धियों की बात होती है, तो लीसा काइटली का नाम चमकता है। दो बार की विश्व कप विजेता और इंग्लैंड की पहली महिला मुख्य कोच बनने वाली काइटली अब डब्ल्यूपीएल की सबसे सफल फ्रेंचाइज़ी मुंबई इंडियंस से जुड़ गई हैं। उनके आने से टीम को रणनीतिक दृष्टि, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और नई ऊर्जा मिलेगी। क्रिकेट जगत मान रहा है कि यह साझेदारी मुंबई इंडियंस को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी।

काइटली 1997 और 2005 में ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता टीमों का हिस्सा रहीं। एक सलामी बल्लेबाज़ के तौर पर उन्होंने बेहतरीन पहचान बनाई और रिटायरमेंट के बाद कोचिंग में भी अपना जलवा दिखाया। इंग्लैंड की पहली महिला पूर्णकालिक मुख्य कोच बनने का गौरव उन्हें ही हासिल हुआ। हाल ही में उन्होंने 'द हंड्रेड' में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स को महिला खिताब भी दिलाया।

मुंबई इंडियंस महिला टीम पहले ही डब्ल्यूपीएल इतिहास की सबसे कामयाब टीम है–सिर्फ तीन सीज़न में दो खिताब (2023 और 2025) जीत चुकी है। अब लीसा का अनुभव और रणनीतिक सोच इस टीम को और ऊँचाइयों पर ले जाने की उम्मीद है।

टीम की मालिक नीता अंबानी ने कहा, 'हमें मुंबई इंडियंस परिवार में लीसा काइटली का स्वागत करते हुए बेहद खुशी है। उन्होंने अपने जुनून और मेहनत से क्रिकेट की पीढ़ियों को प्रेरित किया है। उनका आगमन हमारे लिए नए अध्याय की शुरुआत है।'

खालिद जमील ने की एआईएफएफ और क्लबों से खिलाड़ियों का मुद्दा सुलझाने की अपील

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने क्लबों और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से खिलाड़ियों के 'रिलीज' करने के मुद्दे को बातचीत से हल करने का आग्रह किया है। जमील की यह टिप्पणी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के तीन टीमों के 14 खिलाड़ियों के अभी तक राष्ट्रीय शिविर में शामिल नहीं होने के बाद आई है। इन खिलाड़ियों में राष्ट्रीय टीम के कप्तान सुनील छेत्री भी शामिल हैं।

यह अहम शिविर एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैचों की तैयारी के लिए आयोजित किया जा रहा है। जमील ने बातचीत से इस मामले को इस तरह से सुलझाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इसमें 'क्लब और राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बीच संतुलन बना रहे'। जमील ने नौ अक्टूबर को सिंगापुर के खिलाफ उनके मैदान पर और 14 अक्टूबर को अपने मैदान पर होने वाले भारत के महत्वपूर्ण एशियाई कप क्वालीफाइंग मैचों से

पहले तैयारी शिविर के लिए 30 संभावित खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की थी।

इसमें से 14 खिलाड़ियों को अभी तक उनके क्लबों द्वारा रिलीज नहीं किया गया है। इसमें एक खिलाड़ी बीमारी के कारण अनुपलब्ध है। बेंगलुरु में 20 सितंबर से अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों में ब्रैंडन फर्नांडिस, अशीर अख्तर और फारुख चौधरी को शामिल किया गया है।

जमील ने स्वीकार किया कि खिलाड़ियों की कमी के कारण टीम का अभ्यास प्रभावित हो रहा है। इसमें सबसे ज्यादा असर रक्षापंक्ति पर पड़ रहा है। रक्षा पंक्ति से सिर्फ हमिंगथनमाविया राल्टे और अशीर अख्तर ही शिविर में शामिल हुए है। पिछले महीने मुख्य कोच का पद संभालने वाले जमील ने 'पीटीआई' से कहा, ''हमारी तैयारी खिलाड़ी विशेष पर आधारित होने की बजाय हमेशा टीम-केंद्रित होती है। कुछ स्थान के खिलाड़ियों की अनुपस्थिति ने स्वाभाविक रूप से अभ्यास को प्रभावित किया है।'' भारतीय कोच ने कहा, ''कुछ खिलाड़ी अलग-अलग चरणों में शामिल होंगे और हम उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए काम कर रहे हैं। मेरा मानना है कि लंबी अवधि में क्लब और राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को संतुलित करने वाले समाधान को खोजने के लिए मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है।''

बेंगलुरु एफसी के अलावा, ईस्ट बंगाल और पंजाब एफसी ने अपने खिलाड़ियों को रिलीज करने में देरी की है। इस 48 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी ने शिविर के लिए चुने गये 30 संभावितों में जानबूझकर मोहन बागान एसजी और एफसी गोवा के खिलाड़ियों को बाहर रखा था क्योंकि वे एएफसी चैंपियंस लीग टू में शामिल थे।

रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा, 15 पैसे की बढ़त के साथ 88.60 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा और 15 पैसे की बढ़त के साथ 88.60 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इस सप्ताह रुपया फिर से कई कारणों से दबाव में है।

एच-1बी वीजा शुल्क वृद्धि, अमेरिकी शुल्क और लगातार विदेशी पूंजी निकासी जैसे कारकों ने निवेशकों की धारणा को और प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.65 पर खुला और फिर 88.60 के स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.75 के अपने सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.75 पर आ गया।

घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 141.32 अंक की गिरावट के साथ 81, 574.31 अंक पर और निफ्टी 22.4 अंक फिसलकर 25, 034.50 अंक पर आ गया।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 69.06 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2, 425.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

युजवेंद्र चहल से भारी एलिमनी मांगने के दावों पर धनश्री ने तोड़ी चुप्पी

बोलीं- बुरा लगा कि उसने ऐसा क्यों किया?

धनश्री वर्मा इन दिनों रियलिटी शो 'राइज़ एंड फॉल' में नजर आ रही हैं। इस शो में वो समय-समय पर क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से अलग होने और तलाक के बारे में बात करती रहती हैं। हाल ही में, धनश्री ने एक बार फिर अपने अलगाव के बारे में बात की और उन्हें लेकर जो एलिमनी लेने के दावे किए जा रहे हैं वो सभी गलत हैं। उन्होंने ये भी बताया कि कैसे उनकी और युजवेंद्र की शादी को चार साल हो गए थे और वो दोनों एक साल पहले ही अलग हो गए थे।

जब आदित्य नारायण ने धनश्री से पूछा कि उनके तलाक को कितना समय हो गया है, तो उन्होंने कहा, 'आधिकारिक तौर पर, लगभग एक साल हो गया है। ये जल्दी हुआ क्योंकि ये आपसी सहमति से हुआ था, इसलिए जब लोग एलिमनी कहते हैं, तो ये गलत है। सिफ इसलिए कि मैं कुछ नहीं कह रही, तुम कुछ भी कहते रहोगे? मेरे माता-पिता ने मुझे सिखाया है कि सिर्फ उन्हीं लोगों के सामने अपनी बात कहूं जिनकी मुझे परवाह है। जो तुम्हें जानते तक नहीं, उन्हें समझाने में समय क्यों बर्बाद करना?'

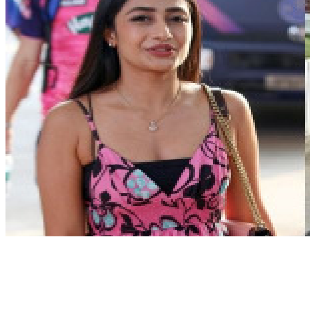

आदित्य ने पूछा कि उनकी शादी को कितना समय हो गया है। धनश्री ने जवाब दिया, 'हमारी शादी को चार साल हो गए थे, उससे पहले हमने 6-7 महीने डेट किया था।' नयनदीप ने उनसे पूछा कि जब एलिमनी को लेकर इतने सारे आरोप लगे थे, तो क्या वो इस पर कुछ बोलना नहीं चाहती थीं? धनश्री वर्मा ने कहा, 'आखिरकार, जब आप ऐसा होते देखते हैं तो आपको दुख होता है। इसकी जरूरत नहीं थी। इसमें कुछ भी सच नहीं है। मुझे ये सोचकर और भी बुरा लगा कि उसने ऐसा क्यों किया? कोई बात नहीं, मैं हमेशा उसका सम्मान रखूंगी, यही मेरा विश्वास है। अब, मुझे नहीं लगता कि मैं किसी को डेट कर सकती हूं।'

पिछले हफ्ते शो में, धनश्री अपने कैरेक्टर पर सवाल उठाए जाने के बाद रो पड़ीं। धनश्री ने कहा था, 'मैंने शो में कभी किसी के खिलाफ कुछ नहीं कहा, फिर भी मैंने कभी अपनी निजी जिंदगी को शो में नहीं घसीटा। मुझे बताया गया कि मैं प्रभावित हो रही हूं, लेकिन ये सच नहीं है, मुझे यह माहौल पसंद नहीं है।'

क्या करण जौहर और फराह खान ने सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा को नज़रअंदाज़ किया? फिल्म निर्माता ने दी सफाई

फराह खान ने हाल ही में एक ट्रोल पर निशाना साधा, जब उनका और करण जौहर का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कथित तौर पर सलमान खान के बहनोई और अर्पिता शर्मा के पति आयुष शर्मा को होमबाउंड के प्रीमियर पर नज़रअंदाज़ किया गया था। फराह ने वीडियो पर टिप्पणी की और ट्रोल्स से 'बकवास लिखना बंद करने' के लिए कहा।

वीडियो में आयुष को करण की फिल्म होमबाउंड के प्रीमियर पर पैपराज़ी के लिए पोज़ देते हुए दिखाया गया है। फिर हम फराह और करण, जो सालों से दोस्त हैं, को हाथ पकड़े हुए और मीडिया के लिए पोज़ देने के लिए रेड कार्पेट पर जाते हुए देखते हैं। दोनों आयुष को क्रॉस करते हुए दिखाई देते हैं और बातचीत में व्यस्त होने के कारण उनका अभिवादन नहीं करते।

सोमवार को, करण और फराह आगामी प्रोडक्शन वेंचर होमबाउंड के प्रीमियर में शामिल होने के लिए बाहर निकले। होमबाउंड के प्रीमियर के रेड कार्पेट के एक वीडियो में आयुष तस्वीरों के लिए पोज़ देते हुए दिखाई दे रहे हैं, जब करण और फराह उनकी मौजूदगी को पहचाने बिना उनके पास से गुज़र गए, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि उन्होंने जानबूझकर उन्हें अनदेखा किया। इस घटना ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियाँ बटोरीं और बॉलीवुड हस्तियों के बीच के रिश्ते पर खूब चर्चा हुई। फ़राह को इंस्टाग्राम पर यह बातचीत और एक वीडियो मिला और उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के पोस्ट के कमेंट सेक्शन में अपना जवाब दिया। तीन बच्चों की माँ ने लिखा, 'कृपया बकवास लिखना बंद करें.. मैं कभी किसी को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती.. खास़कर आयुष को तो नहीं।'

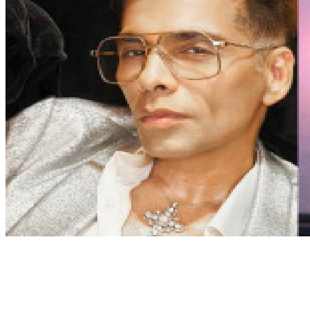

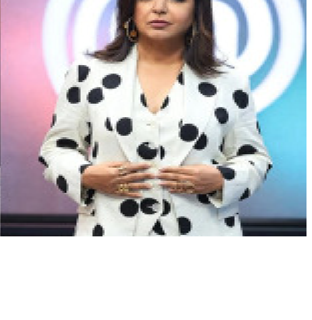

फ़राह ने आगे कहा, 'अभी-अभी उनके और अर्पिता के साथ एक व्लॉग शूट किया है.. बस उन्हें इतनी जल्दी में तो नहीं देखा.. बस इसे खराब दिखाने के लिए स्लो मोशन में बनाया है?' फ़राह ने अप्रैल में आयुष, अर्पिता और उनके बच्चों - बेटे आहिल और बेटी आयत के साथ शूट किया गया व्लॉग पोस्ट किया था।

आयुष, जो सलमान खान की बहन अर्पिता खान शर्मा से विवाहित हैं, ने 2018 में लवयात्री से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह अंतिमः द फाइनल ट्रुथ में भी नज़र आए थे, जिसमें सलमान और रुस्लान भी थे। रुस्लान की शूटिंग के दौरान लगी चोट के दर्द से राहत पाने के लिए हाल ही में उनकी पीठ की दो सर्जरी हुई हैं।

इस बीच, फराह अपने व्लॉग्स के लिए खूब वाहवाही और प्यार बटोर रही हैं, जहाँ वह अपने कुक दिलीप के साथ मशहूर हस्तियों के घर जाती हैं। फराह ने 2024 में अपने कुकिंग व्लॉग्स लॉन्च किए हैं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता ने उन्हें हाल ही में 11 सितंबर को मुंबई में हुए यूट्यूब फैनफेस्ट में जगह दिलाई।

हमें बराबरी चाहिए थी, मंत्री पद नहीं

असदुद्दीन ओवैसी का लालू-तेजस्वी पर तीखा हमला, बोले- बिहार में मुस्लिम समुदाय

पटना **(एजेंसी)**। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद और उनके पुत्र तेजस्वी यादव पर आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले गठबंधन को लेकर उनकी पार्टी की ओर से किए गए आग्रहों पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम ने केवल बराबरी का दर्जा मांगा था, मंत्री पद की कोई इच्छा जाहिर नहीं की थी।

हैदराबाद के सांसद ओवैसी किशनगंज जिले में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। यह रैली उनके चार दिवसीय ''सीमांचल न्याय यात्रा'' का हिस्सा है। सीमांचल क्षेत्र में अच्छी खासी मुस्लिम आबादी है। ओवैसी ने कहा, ''हमारे बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को तीन पत्र लिखकर 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि हमने केवल छह सीट की मांग की थी, हमें किसी मंत्री पद की चाहत नहीं थी।'' ओवैसी ने कहा, ''हमारी केवल यही मांग थी कि हमें बराबरी का दर्जा मिले, गुलाम की तरह व्यवहार न किया जाए। लेकिन अब तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया।'' राजद की ''उपेक्षा'' को दोषी ठहराते हुए ओवैसी ने कहा कि बिहार में मुस्लिम समुदाय के पास अपनी कोई ठोस नेतृत्वकारी ताकत नहीं है। उन्होंने कहा, ''यादव, कुशवाहा, कुर्मी, मांझी, राजपूत और पासवान यानी हर जाति के अपने नेता हैं। लेकिन मुसलमानों का कोई अपना नेता नहीं है।'' उन्होंने सवाल किया, ''जब तेजस्वी मुख्यमंत्री बनने का सपना देख सकते हैं तो सीमांचल का कोई युवा नेता क्यों नहीं बन सकता?''

ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी ने यह पहल इसलिए की ताकि उसपर भाजपा की मदद करने के आरोप न लगें। उन्होंने कहा, ''राजद की ओर से सही प्रतिक्रिया नहीं आने से यह साफ हो जाएगा कि वास्तव में भाजपा की मदद कौन कर रहा है।'' एआईएमआईएम ने पिछला विधानसभा चुनाव 20 सीट पर लड़ा था और पांच सीट पर जीत हासिल की थी। हालांकि बाद में पांच में से चार विधायक राजद में शामिल हो गए और केवल अख्तरुल इमान ही पार्टी के साथ बने रहे। सीमांचल क्षेत्र में पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और कटिहार जिले आते हैं। इस क्षेत्र में अच्छी खासी मुस्लिम आबादी है। ओवैसी दिन में बाद में अररिया जिले में भी जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

आर्यन खान की सीरिज से नाराज हुए समीर वानखेड़े, शाहरुख-गौरी और नेटफ्लिक्स के खिलाफ कोर्ट में दायर की याचिका

मुम्बई **(एजेंसी)**। आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में एक मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में अभिनेता शाहरुख खान और गौरी खान के स्वामित्व वाली रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स और अन्य के खिलाफ स्थायी और अनिवार्य निषेधाज्ञा, घोषणा और हर्जाने के रूप में राहत की मांग की गई है। रेड चिलीज़ द्वारा निर्मित और नेटफ्लिक्स द्वारा अपनी टेलीविज़न सीरीज़ 'द बैड्स ऑफ़ बॉलीवुड' के एक भाग के रूप में प्रसारित एक झूठे, दुर्भावनापूर्ण और मानहानिकारक वीडियो से व्यथित हैं। यह सीरीज़ नशीली दवाओं के खिलाफ प्रवर्तन एजेंसियों का भ्रामक और नकारात्मक चित्रण करती है, जिससे कानून प्रवर्तन संस्थानों में जनता का विश्वास कम होता है। इस श्रृंखला की संकल्पना और क्रियान्वयन जानबूझकर समीर वानखेड़े की प्रतिष्ठा को कलंकित और पूर्वाग्रहपूर्ण तरीके से धूमिल करने के इरादे से किया गया है, खासकर तब जब समीर वानखेड़े

और आर्यन खान से जुड़ा मामला माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय और एनडीपीएस विशेष न्यायालय, मुंबई में लंबित और विचाराधीन है।

इसके अलावा, सीरिज में अन्य बातों के अलावा, एक पात्र को सत्यमेव जयते का नारा लगाने के बाद अश्लील इशारा करते हुए दिखाया गया है। सत्यमेव जयते राष्ट्रीय प्रतीक का हिस्सा है। शिकायत में कहा गया है कि यह कृत्य राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के प्रावधानों का गंभीर और संवेदनशील उल्लंघन है, जिसके लिए कानून के तहत दंडात्मक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इसके अलावा, इस सीरिज का कंटेंट सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करती है। यह अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री के इस्तेमाल से राष्ट्रीय भावनाओं को ठेस पहुँचाने का प्रयास करती है। कैंसर रोगियों के इलाज के लिए टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल को 2 करोड़ रुपये का हर्जाना देने का दावा किया गया है।

गौरतलब है कि बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने नेटफ्लिक्स सीरीज़ 'द बैड्स ऑफ़ बॉलीवुड' से निर्देशन में कदम रखा है। इस शो के निर्माता आर्यन खान हैं और बिलाल सिद्दीकी व मानव चौहान इसके सह-निर्माता हैं। गौरी खान की रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस ड्रामा शो में लक्ष्य, सहर बंबा, मनोज पाहवा, मनीष चौधरी, राघव जुयाल, अन्या सिंह, मोना सिंह, विजयंत कोहली, रजत बेदी और गौतमी कपूर जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

आई लव मुहम्मद ट्रेंड पर भड़के मुख्तार अब्बास कहा- आस्था के नाम पर अराजकता ठीक नहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आई लव मुहम्मद नारे पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि मुझे लगता है कि कुछ लोग आस्था और पहचान का इस्तेमाल अराजकता के लिए बंधक के रूप में कर रहे हैं। पहचान और आस्था का इस्तेमाल अराजकता के उपकरण के रूप में करना अस्वीकार्य है। नकवी ने स्पष्ट किया कि मुसलमान होने के नाते मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम उनकी आस्था का हिस्सा हैं और किसी भी तरह से आस्था या अस्मिता को बंधक बनाना गलत है। उन्होंने कहा कि आस्था और अस्मिता को अराजकता या पाखंड के माध्यम से प्रभावित नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि कर्नाटक के दावणगेरे शहर में 24 सितंबर की रात को 'आई लव मोहम्मद' के संदेशों वाले पोस्टर सामने आने के बाद साम्प्रदायिक तनाव फैल गया जिससे लोगों के दो समूहों के बीच पथराव हुआ। कार्ल मार्क्स नगर की घटना के कारण पोस्टर हटाने को लेकर दो समुदायों के सदस्यों के बीच तनातनी पैदा हो गयी। दावणगेरे की पुलिस अधीक्षक उमा प्रशांत के अनुसार, पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पांच मिनट के भीतर स्थिति पर काबू पा लिया। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि कार्ल मार्क्स नगर में आई लव मुहम्मदिया लिखा बैनर लगाया गया था। दूसरे समुदाय ने इसे हटाने की मांग की।

सपा नेता आजम खान के बारे में भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि आजकल किसी भी राजनेता का सफर या निष्ठा कभी भी और कहीं भी बदल सकती है, लेकिन जहां तक उनका सवाल है, उनका राजनीतिक अस्तित्व समाजवादी सिद्धांतों से गहराई से जुड़ा हुआ है... मैं उनसे कहूंगा कि राजनीति छोड़कर अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

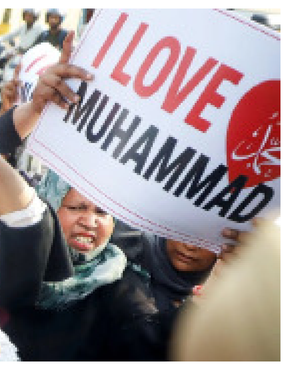

मतदाता सूची में कई खामियां मिलीं : जल्द ही डेटा के साथ सामने आएंगेः आदित्य ठाकरे

मुम्बई **(एजेंसी)**। शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाता सूची में अनियमितताओं का बृहस्पतिवार को आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी को कई खामियां मिली हैं, जिन्हें वह जल्द ही सामने लाएगी।

राज्य के पूर्व मंत्री ने कहा कि वह जल्द ही इन अनियमितताओं के बारे में जानकारी देने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरह ही एक प्रेस वार्ता करेंगे। उन्होंने 'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव' में कहा कि विधानसभा चुनावों से ठीक पहले पार्टी ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को मतदाताओं की संख्या में अचानक वृद्धि, मतदाताओं के नाम गायब होने और बूथों पर कुप्रबंधन के बारे में पत्र लिखा था।

ठाकरे ने कहा, हमारी पार्टी को कई खामियां मिली हैं और वह उन्हें जल्द ही सामने लाएगी उन्होंने कहा, हम अभी जिस डेटा पर काम कर रहे हैं, उसके साथ एक प्रेस वार्ता करेंगे। हम इसे एक साथ मिला रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह राहुल गांधी जैसी पत्रकार वार्ता करेंगे, तो उन्होंने कहा, बिल्कुल। हम कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस साल के अंत में होने वाले नगर निकाय चुनावों से पहले संवाददाता सम्मेलन किया जाएगा, तो ठाकरे ने कहा, मुझे यह जानकारी लीक नहीं करनी चाहिए। हम 'सर्जिकल स्ट्राइक' का समय नहीं बता सकते। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' के मुद्दे पर पिछले हफ्ते अपना हमला तेज कर दिया और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लोकतंत्र को नष्ट करने वालों को बचाने का आरोप लगाया था।

महाराष्ट्र सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए केन्द्र से करेगी मदद की मांग : अजित पवार

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार, बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए केन्द्र से मदद की मांग करेगी और इसके लिए एक पत्र केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दिया जाएगा। पवार बीड जिले में बाढ़ प्रभावित गांवों के दौरे पर गए थे तभी उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत की।

इस हफ्ते के शुरुआत में हुई भारी बारिश और इसकी वजह से आई बाढ़ के कारण बीड और मराठवाड़ा क्षेत्र के अन्य जिले बुरी तरह प्रभावित हुए जहां फसलों और रिहायशी संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। विपक्षी दलों ने सरकार से राज्य को आपदाग्रस्त घोषित करने की मांग की है।

पवार ने कहा '' सरकार उन मामलों में राहत के लिए सकारात्मक रुख रखती है जिनमें बाढ़ के कारण पूरी फसल तबाह हो गई। सरकार उन जमीनों की बहाली में मदद करेगी। साथ ही उन मामलों में भी मदद की जाएगी जिनमें बाढ़ के पानी के साथ आया कीचड़ कुओं में चला गया।'' उन्होंने आगे कहा ''यहां बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। केन्द्र सरकार से मदद की जरूरत है। आज केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुंबई में हैं और मदद के लिए उन्हें मुख्यमंत्री तथा दोनों उप मुख्यमंत्रियों के हस्ताक्षर वाला पत्र दिया जाएगा। जहां भी आपदा आती है, अमित शाह मदद करते हैं और वह हमारी भी मदद करेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र ने पंजाब समेत दूसरे राज्यों की भी मदद की है इसलिए महाराष्ट्र सरकार भी मदद चाहती है। उन्होंने कहा कि बाढ़ की वजह से फसलों के साथ साथ बुनियादी ढांचों को भी बहुत नुकसान हुआ है।

बाढ़ को देखते हुए किसानों के कर्ज माफ करने की विपक्षी दलों की मांग पर पवार ने कहा ''मैं वही कहता हूं जो सच है। मैं राजनीति नहीं करना चाहता लेकिन जहां भी जरूरत होगी, हम मदद करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हम लोगों की मदद लाडकी बहिन योजना, संजय गांधी निराधार योजना, बिजली बिल माफ करके कर रहे हैं। सरकार आम आदमी की मदद कर रही है।

यूरोप में गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्डः साल 2024 में 62000 से ज्यादा मौतें, विशेषज्ञों ने जारी की चेतावनी

रोम **(एजेंसी)**। यूरोप इस साल 2024 में अभूतपूर्व गर्मी की चपेट में रहा है। मौसम विज्ञानियों और स्वास्थ्य अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार, इस गर्मी की लहर के कारण 62, 000 से अधिक लोगों की जानें गई हैं। यह संख्या पिछले वर्षों की तुलना में लगभग दोगुनी है और विशेषज्ञों को भी हैरान कर रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार उच्च तापमान हृदय रोग, श्वसन संबंधी बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ा देता है। बुजुर्ग, बच्चों और पूर्व मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोग सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई और कई जगह स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ गया।

फ्रांस, स्पेन, इटली, जर्मनी और बेल्जियम जैसे देश सबसे अधिक प्रभावित हुए। तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, कई जगहों पर 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान दर्ज किया गया। लोगों को धूप में लंबे समय तक बाहर न रहने, पर्याप्त पानी पीने और ठंडी जगहों पर रहने की सलाह दी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जलवायु परिवर्तन पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले वर्षों में और भी अधिक जानलेवा गर्मी की लहरें यूरोप में देखने को मिल सकती हैं। उन्होंने शहरों में हरित क्षेत्रों को बढ़ाने, इमारतों में ठंडक बनाए रखने और हीटवेव चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

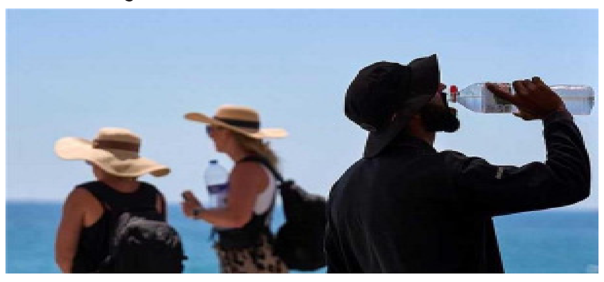

पाकिस्तान की नई करतूत : ऑपरेशन सिंदूर पर स्कूली सिलेबस में शामिल की शर्मनाक जानकारी, छापे ये बड़े-बड़े झूठ !

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। पाकिस्तान अपनी नई पीढ़ी को गुमराह करने के लिए स्कूली किताबों में झूठी और काल्पनिक कहानियां लिख रहा है। अब पाकिस्तान ने मई 2025 में भारत के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अपनी स्कूली किताबों में झूठ और गुमराह करने वाली जानकारी शामिल कर दी है। ऑपरेशन सिंदूर पर फैलाई गई ये झूठी जानकारी दिखाती है कि पाकिस्तान इतिहास को अपने फायदे के लिए तोड़-मरोड़ कर पेश करने से बाज नहीं आता।

पाकिस्तान की किताबों में दावा किया गया है कि उसने भारत के 26 महत्वपूर्ण ठिकानों और एयरबेस पर हमले किए, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बार-बार अपील के बाद ही युद्धविराम के लिए तैयार हुआ। जबकि हकीकत यह है कि पाकिस्तान ने कश्मीर में आम नागरिकों और आतंकियों के माध्यम से हमले किए, जिनके जवाब में भारत ने सटीक सैन्य कार्रवाई कर पाकिस्तान के 11 एयरबेस को तबाह कर दिया।

झूठ नंबर-1 : पाकिस्तान ने अपनी किताबों में लिखा कि 6 मई 2025 को भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया। जबकि हकीकत यह है कि पाकिस्तान के आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में हमला किया था, जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर निशाना साधा।

झूठ नंबर-2 : किताब में दावा किया गया कि पाकिस्तानी सेना ने भारतीय ठिकानों पर हमला किया। असलियत यह है कि पाकिस्तान ने आम नागरिक इलाकों पर हमला किया। भारत ने सियालकोट, लाहौर और इस्लामाबाद सहित पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की।

झूठ नंबर-3 : पाकिस्तानी किताबों में दावा किया गया कि पाकिस्तान ने भारत के एयरबेस और 26 रणनीतिक ठिकानों को नष्ट किया। जबकि सच्चाई यह है कि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस को ब्रह्मोस मिसाइल से तबाह किया, जिनमें मुरीद, नूर खान, रफीकी, सरगोधा, चकलाला और रहीम यार खान शामिल हैं।

झूठ नंबर-4 : पाकिस्तान ने लिखा कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की अपील पर युद्धविराम की गुहार लगाई। असलियत यह है कि ङ्कप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया था कि भारत कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति और विदेश मंत्री की मध्यस्थता के बावजूद पाकिस्तान को युद्धविराम के लिए भारत से सीधा समझौता करना पड़ा।

बता दें कि पाकिस्तान हमेशा से इतिहास को अपने अनुसार तोड़-मरोड़ कर पेश करता आया है। 1971 के युद्ध में भी पाकिस्तान खुद को विजेता बताता था, जबकि उसके 93 हजार सैनिक भारत के सामने सरेंडर कर चुके थे और देश के दो टुकड़े हो चुके थे।

पाकिस्तान में पुलिस कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या

पेशावर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार सुबह अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने एक पुलिस कांस्टेबल की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) सलीम अब्बास कुलाची ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा से लगे बन्नू जिले की दोमेल तहसील के बाचा खान चौक पर यह घटना हुई।

अधिकारी ने बताया कि मोटरसाइकिल पर सवार हथियारबंद हमलावरों ने ड्यूटी पर जा रहे कांस्टेबल कुद्दुस पर हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। कांस्टेबल को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। कांस्टेबल कुद्दुस यहां वजीर अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) के साथ पहरेदार के रूप में तैनात थे और हमले के तुरंत बाद पुलिस की एक टुकड़ी मौके पर पहुंची तथा इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया।

डीपीओ कुलाची ने कहा कि जिले के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू किए गए हैं। पाकिस्तान में पिछले साल से आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है। विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा नवंबर 2022 में सरकार के साथ अपने संघर्ष विराम को समाप्त कर दिए जाने के बाद यह हमले अधिक तेजी से बढ़ रहे हैं।

छह साल बाद तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान की अमेरिका यात्रा, 50 अरब डॉलर के बड़े समझौते की तैयारी

तुर्किये **(एजेंसी)**। तुर्की के राष्ट्रपति रेजब तैय्यप एर्दोगान आज, 25 सितंबर 2025 को छह साल बाद पहली बार व्हाइट हाउस का दौरा कर रहे हैं। यह उच्च-स्तरीय बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिका-तुर्की संबंधों को पुनर्जीवित करने और रक्षा, व्यापार और ऊर्जा क्षेत्रों में 50 अरब डॉलर से अधिक के समझौतों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से है।

तुर्की 2019 में रूस के ए-400 मिसाइल सिस्टम की खरीद के कारण इ-35 कार्यक्रम से बाहर कर दिया गया था। दोनों नेता इस प्रतिबंध को हटाने और तुर्की को आधुनिक इ-35 जेट्स हासिल करने का रास्ता खोजने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्की अपनी वायु सेना के आधुनिकीकरण के लिए 40 नए इ-16 और 40 यूरोफाइटर टाइफून जेट्स खरीदने की योजना बना रहा है। तुर्की एयरलाइंस के लिए 200 से अधिक बोइंग विमानों और संबंधित ई इंजनों की खरीद के लिए लगभग 10 अरब डॉलर का संभावित समझौता चर्चा में है। यह समझौता विमानन क्षेत्र में व्यापार को काफी बढ़ावा देगा। तुर्की ने लंबी अवधि के समझौतों के तहत लगभग 76 बिलियन क्यूबिक मीटर थ्ङ्ग अमेरिका से खरीदने की योजना बनाई है, जिससे देश अपनी ऊर्जा आपूर्ति में विविधता ला सके।

यह दौरा अमेरिका-तुर्की संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जो पिछले अमेरिकी प्रशासन के दौरान तनावपूर्ण थे। राष्ट्रपति ट्रंप एर्दोगान को सीरिया और गाजा में क्षेत्रीय संकटों में एक अहम साझेदार मानते हैं। प्रस्तावित समझौते रक्षा सहयोग को मजबूत करने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर सालाना 100 अरब डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखते हैं।

लीबिया कैंपेन केस में फंसे फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी, हुई 5 साल की जेल

पेरिस **(एजेंसी)**। पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को गुरुवार को पाँच साल की जेल की सज़ा सुनाई गई, जब पेरिस की एक अदालत ने उन्हें लीबिया के साथ अवैध चुनावी वित्तपोषण के लिए आपराधिक षड्यंत्र रचने का दोषी पाया। सरकोजी, जिन्होंने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है, पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर तत्कालीन अलग-थलग पड़ी लीबियाई सरकार का समर्थन करने के बदले में गद्दाफी के साथ चुनावी वित्तपोषण का सौदा करने का आरोप लगाया गया था।

न्यायाधीश, जिन्होंने सरकोजी को भ्रष्टाचार सहित अन्य आरोपों से बरी कर दिया, ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि सरकोजी ने गद्दाफी के साथ ऐसा कोई सौदा किया था, न ही यह कि लीबिया से भेजा गया पैसा सरकोजी के चुनाव अभियान कोष में पहुंचा। सार्कोज़ी की सज़ा का मतलब है कि चाहे वे अपील करें या न करें, उन्हें जेल जाना ही होगा। जज ने सार्कोज़ी को 100, 000 यूरो का जुर्माना भी भरने का आदेश दिया।

जंग खत्म होते ही छोड़ दूंगा 'राष्ट्रपति पद' वोलोदिमीर जेलेंस्की का बड़ा बयान

कीव **(एजेंसी)**। रूस से चल रहे भीषण युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि जैसे ही युद्ध खत्म होगा, वह राष्ट्रपति पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की ने साफ कहा कि उनका मकसद सत्ता में बने रहना नहीं है, बल्कि देश में युद्ध को खत्म करना है।

जेलेंस्की ने भरोसा दिलाया कि वह यूक्रेन में शांति बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे। उनके मुताबिक, इस युद्ध का अंत केवल राजनीतिक समाधान से नहीं होगा, बल्कि यह यूक्रेनी जनता की आज़ादी और भविष्य के लिए भी अहम कदम साबित होगा।

रूस लंबे समय से जेलेंस्की को अवैध राष्ट्रपति कहता आ रहा है। उसका कहना है कि जेलेंस्की का कार्यकाल खत्म हो चुका है। हालांकि, रूस के हमले के बाद यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू है, जिसकी वजह से वहां चुनाव कराना संभव नहीं है। इसी कारण यूक्रेन की संसद ने फरवरी में एक प्रस्ताव पास कर जेलेंस्की का कार्यकाल तब तक बढ़ा दिया, जब तक मार्शल लॉ खत्म नहीं हो जाता।

इससे पहले जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की थी कि रूस को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि राष्ट्रपति पुतिन यूरोप तक जंग का विस्तार करना चाहते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि फिलहाल दुनिया हथियारों की अब तक की सबसे खतरनाक दौड़ में फंस चुकी है।

जेलेंस्की ने हाल ही में भारत को लेकर भी बयान दिया था। उन्होंने कहा कि भारत ज्यादातर यूक्रेन के पक्ष में है और किसी भी तरह से युद्ध को बढ़ावा नहीं दे रहा। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े कुछ मसले जरूर हैं, लेकिन उनका हल निकाला जा सकता है। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि भारत यूक्रेन के साथ खड़ा है और यूरोप को भी भारत के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने चाहिए।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।